राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,10 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–313 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'सरकार ने नहीं निभाया वादा, फिर शुरू करेंगे देशव्यापी आंदोलन', एसकेएम का ऐलान– 26 जनवरी से आर या पार

करनाल। नए साल पर किसान फिर से आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। किसानों के संगठन संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार पर किसानों से किए अपने वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि देशभर के किसान 26 जनवरी से कृषि आंदोलन का अगला दौर शुरू करने जा रहे हैं। गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा की करनाल में हुई बैठक में आंदोलन करने का फैसला लिया गया। हालांकि मोर्चा के सदस्यों ने विरोध की रूपरेखा के बारे में कोई खुलासा नहीं किया। एसकेएम के नेताओं ने कहा कि देशव्यापी विरोध की रणनीति तय करने के लिए 24 दिसंबर को करनाल में एक और बैठक बुलाई गई है। एसकेएम सदस्य सुरेश कोठ ने कहा, सरकार सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य देने समेत अपने सभी वादों से मुकर गई है, लेकिन हम सरकार को इस आंदोलन को समाप्त नहीं करने देंगे जिसके लिए 700 से अधिक किसानों ने अपना बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान लखीमपुर खीरी हिंसा सहित किसानों के सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और यह निर्णय लिया गया कि सरकार किसानों की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है इसलिए 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस से किसान आंदोलन का अगला दौर शुरू किया जाएगा। पंजाब के एक किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहन ने कहा, हम 26 जनवरी से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं क्योंकि सरकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है। एसकेएम के सदस्यों ने कहा कि सभी राज्यों के किसान नए सिरे से किसान आंदोलन का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि संगठन देश के किसानों की मांगों और मुद्दों का एक मसौदा भी तैयार करेगा। बैठक में भाग लेने के लिए लगभग 17 राज्यों के किसान करनाल पहुंचे थे, जिसमें सर्वसम्मति से किसानों ने ये फैसला किया। किसानों ने हरियाणा सरकार द्वारा गन्ना अनुशंसित मूल्य तय करने में देरी करने, सभी फसलों का एमएसपी और पिछले साल के आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का मुद्दा भी उठाया।

बीजेपी बनाएगी एक और रिकॉर्ड, राज्यसभा में नजर आएगा गुजरात की जीत का असर

गुजरात से राज्यसभा में भाजपा के 8 सदस्य हैं और कांग्रेस की संख्या 3 है। 2023 अगस्त में खाली होने वाली सीटें भाजपा दोबारा हासिल कर लेगी। पार्टी अप्रैल 2024 में 4 में से 2 अतिरिक्त सीटें हासिल करेगी।

नई दिल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने रिकॉर्ड जीत दर्ज की। अब इसके बाद पार्टी राज्यसभा में भी इसी तरह के एक रिकॉर्ड बनाने जा रही है। हालांकि, 2022 की इस जीत का असर पार्टी को 2026 के मध्य तक नजर आएगा, जब पार्टी राज्य की सभी 11 सीटों पर अपने सांसदों को जमा देगी। गुरुवार जारी नतीजों में भाजपा ने 182 में से 156 सीटें जीती।

मौजूदा आंकड़े बताते हैं कि गुजरात से राज्यसभा में भाजपा के 8 सदस्य हैं और कांग्रेस की संख्या 3 है। 2023 अगस्त में खाली होने वाली सीटें भाजपा दोबारा हासिल कर लेगी। वहीं, पार्टी अप्रैल 2024 में 4 में से 2 अतिरिक्त सीटें हासिल करेगी। साथ ही जून 2026 में अन्य 4 में से भी भाजपा को एक सीट मिलेगी। इस लिहाज से पार्टी के सदस्यों की संख्या 11 हो जाएगी। किसी बड़े राज्य से इस तरह की उपलब्धि को खास माना जाता है।

हिमाचल की जीत से कांग्रेस को फायदा

इधर, पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश की जीत कांग्रेस को भी फायदा पहुंचाएगी। जीत के साथ कांग्रेस भी अप्रैल 2024 तक तीन में से एक सीट अपने पक्ष में कर लेगी। इसके बाद 2026 में कांग्रेस दूसरा सदस्य भी पहुंचा सकेगी। राज्य की तीसरी सीट का फैसला 2028 में होगा। फिलहाल, तीनों सीटें भाजपा के पास हैं। इनमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का नाम भी शामिल है।

हालांकि, राज्यसभा में खास बदलाव का असर 2024 में नजर आएगा। उस दौरान 56 सीटें खाली होंगी। फिलहाल, राज्यसभा में 239 सदस्य हैं और 6 सीटें खाली हैं। इनमे जम्मू और कश्मीर से 4 और 2 नामित शामिल हैं। सदन में भाजपा के सबसे ज्यादा 92 सांसद हैं। इसके बाद 31 सदस्यों के साथ कांग्रेस का नंबर है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के 13 और डीएमके और आप के 10-10 हैं।

लखनऊ के होटल में लगी भीषण आग

बिरयानी खाने आए एक युवक की मौत, तीन गंभीर

लखनऊ। लखनऊ के हुसैनगंज के होटल रंगोली में भीषण आग लग गई। होटल में बनी रेस्टोरेंट बेस्ट बिरयानी में आग विकराल हो गई। होटल में ठहरे 7 लोगों में से एक की मौत इलाज के दौरान हो गई है। चार बाग के बेस्ट बिरयानी रेस्टोरेंट में गुरुवार रात साढ़े 9 बजे करीब अचानक आग लग गई। तेज लपटों में घिरे तीन युवक गंभीर रूप से झुलस गए। आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस व दमकल कर्मियों ने एक गाड़ी की मदद से एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। पुलिस के मुताबिक हादसे में झुलसे नासिक के प्रकाश सुधाकर को सिविल अस्पताल में मृत घोषित कर दिया। एक का इलाज चल रहा है। हादसा रसोई गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण हुआ है। पुलिस व अग्निशमन की टीम मौके पर जांच कर रही है। होटल में बिरयानी खाने आए लोग झुलस गएएडीसीपी मध्य राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक चारबाग स्थित कबीर होटल है। उसी के बेसमेंट में बेस्ट बिरयानी के नाम से रेस्टोरेंट है। होटल में अचानक आग लग गई। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में आग पर काबू पाने के लिए लग गए। कबीर होटल में लगे उपकरणों से आग पर काबू पाने लगे। इसके साथ ही दमकल को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने एक गाड़ी की मदद से कुछ देर में आग पर काबू पा लिया। एडीसीपी के मुताबिक हादसे में रेस्टोरेंट में बिरयानी खाने आए लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें आनन-फानन में सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां नासिक निवासी प्रकाश सुधाकर दात्रे (30) को मृत घोषित कर दिया।

वहीं साथी ही अनीस शेख उर्फ बादशाह 40 प्रतिशत झुलस गया। जिसका इलाज चल रहा है। एडीसीपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच करने के बाद कार्रवाई की जाएगी। सीएफओ मंगेश कुमार के मुताबिक रेस्टोरेंट के ऊपर बने होटल के फायर उपकरण होने से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया।

सर्दी के मौसम में इन राज्यों में भारी बारिश की आशंका, स्कूल और कॉलेज तक बंद

नई दिल्ली। देश भर में सर्दी ने दस्तक दे दी है और कई राज्यों में अच्छी खासी ठंड पड़ने लगी है। वहीं सर्दी के इस मौसम में तमिलनाडु और पुदुचेरी में भीषण बारिश होने की आशंका मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग ने कहा कि मंडूस चक्रवात के असर के चलते बारिश होनी है। इस बीच तमिलनाडु में प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। छह जिलों में स्कूलों एवं कॉलेजों को शुक्रवार को बंद कर दिया गया है। चेन्नै, तिरुवल्लूर, चेंगालपट्टू, कांचीपुरम, वेल्लोर और रानिपपेट्टाई जिलों के कलेक्टरों ने शुक्रवार को संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया। इसके अलावा कुछ अन्य प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट्स को भी बंद कर दिया गया है। मौसमं विभाग के मुताबिक आज मंडूस चक्रवात पुदुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच आ

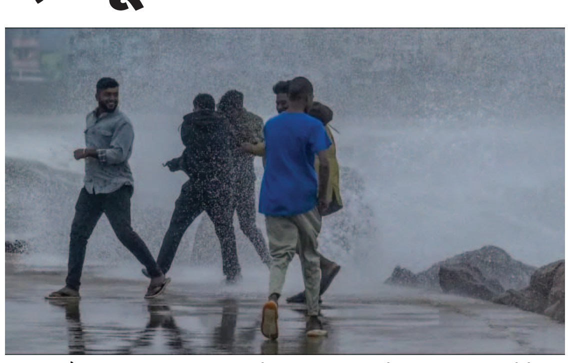

सकता है। तमिलनाडु सरकार ने मंडूस चक्रवात के मद्देनजर कई कदम उठाए हैं। 85 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार के साथ आज यह चक्रवात पुदुचेरी और श्रीहरिकोटा से होकर गुजर सकता है। तमिलनाडु के कई इलाकों में शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश हो सकती है। खासतौर पर तंजावुर और कांचीपुरम में ज्यादा बारिश होने की आशंका है। तमिलनाडु के 10 जिलों में एनडीआरएफ की टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। तमिलनाडु के अलावा तटीय आंध्र प्रदेश और पुदुचेरी में भी बारिश हो सकती है। चेन्नै में सरकार ने 169 रिलीफ सेंटर बनाए हैं और 807 पंपों को तैयार रखा गया है ताकि कहीं

मंडूस चक्रवात के असर के चलते बारिश होनी है। इस बीच तमिलनाडु में प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। छह जिलों में स्कूलों एवं कॉलेजों को शुक्रवार को बंद कर दिया गया है।

जलभराव की स्थिति से निपटा जा सके। इसके अलावा 121 शेल्टर और 5093 रिलीफ सेंटर भी बनाए गए हैं। मौसम विभाग का कहना है कि मंडूस चक्रवात के असर से एक तरफ आंध्र, तमिलनाडु और पुदुचेरी में भारी बारिश हो सकती है तो वहीं कुछ राज्यों में सर्दी थोड़ी बढ़ सकती है। यही नहीं हवा में तेजी होने से प्रदूषण से भी राहत मिलने की संभावना है।

पंजाब में मिनी बस और कार के बीच भीषण टक्कर

बीएसएफ जवान की मौत सहित 15 यात्री घायल

कलानौर(मनमोहन)। कलानौर-बटाला मार्ग पर स्थित गांव दलेरपुर के समीप मिनी बस और कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 10 से 15 सवारियों घायल हो गई। जानकारी के अनुसार एक निजी कम्पनी की मिनी बस देर शाम समय बटाला से कलानौर आ रही थी कि गांव दलेरपुर के समीप कलानौर साइड से आ रही एक कार से टकराकर पलट गई और कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में कार सवार परमजीत सिंह निवासी नानोहारनी जो बी.एस.एफ. का जवान बताया जा रहा है और छुट्टी पर आया था, की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बस में सवार करीब 10-15 सवारियां मनप्रीत कौर गांव रहीमाबाद, शरणजीत कौर गांव शाहपुर गोराया, हरजिन्द्र सिंह निवासी गांव साहले चक्क को सी.एच.सी कलानौर में इलाज के लिए लाया गया जहां हरजिन्द्र सिंह की हालत गंभीर देखते हुए उसको गुरदासपुर रैफर कर दिया गया है जबकि कुछ सवारियां जिनको मामूली

चोटें लगी थीं, द्वारा अपने तौर पर निजी डाक्टरों से इलाज करवा लिया गया। मौके पर पहुंचे ए.एस.आई. रणधीर सिंह ने बताया कि मृतक व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरदासपुर भेज दिया गया है और इस घटना की जांच की जा रही है।

किन्नर समाज ने राहुल गांधी का भारत जोड़ो यात्रा में किया स्वागत

कोटा। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के गुरुवार को भारत जोड़ो यात्रा के साथ भीमगंजमंडी पहुंचने पर किन्नर समाज ने करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया

इस मौके पर श्री गांधी ने किन्नर समाज के लोगों का हाथ हिला कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

कर्मयोगी सेवा संस्थान के संयोजन में किन्नर प्रमुख तारा देवी राजपुरोहित के प्रतिनिधि दक्षिण किन्नर प्रमुख रीना दीदी समूह ने भीमगंजमंडी थाने के बाहर भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी का जोरदार अभिनंदन गया। संयोजिका अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाकार अलका दुलारी कर्मयोगी के नेतृत्व में कलाकारों के साथ किन्नरों द्वारा राष्ट्रीय गीतों पर जमकर नृत्य

किया गया। इस अवसर पर स्वागत राज्य के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल मौजूद थे। किन्नरों ने श्री धारीवाल का भी जोरदार स्वागत किया गया। संस्थान के अध्यक्ष राजाराम जैन कर्मयोगी ने बताया कि राजस्थान सरकार ने किन्नरों के उत्थान के लिये 10 करोड़ रुपए का बजट जारी किया गया है। कोटा के जिला कलक्टर ने गत 20 नवंबर को ट्रांसजेंडर दिवस मनाते हुए सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक ओम प्रकाश तोषनीवाल के निर्देशन में जिला कलक्ट्री में किन्नरों को आमंत्रित कर सम्मानित करते हुए उनके साथ भोजन किया था। सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के मंत्री टीकाराम जूली ने कर्मयोगी के नेतृत्व में अलवर में किन्नरों को आमंत्रित कर सम्मानित किया था। इसके लिये राहुल गांधी को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए किन्नरों ने धन्यवाद पत्र की प्रतिलिपि श्री धारीवाल ने यात्रा में सम्मिलित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अधिकारियों के माध्यम से उपलब्ध करवाई।

कश्मीरी पंडितों के नरसंहार कांड की नहीं होगी जांच, सुप्रीम कोर्ट ने फिर खारिज की याचिका

रूट्स इन कश्मीर ने 2017 में एक जनहित याचिका के साथ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडितों को सुप्रीम कोर्ट से एकबार फिर निराशा हाथ लगी है। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 700 कश्मीरी पंडितों की हत्या की जांच फिर से कराने से इनकार करते हुए एक और याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2017 के फैसले पर फिर से विचार करने से इनकार कर दिया है, जिसमें 1989-90 के दौरान जम्मू और कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की सामूहिक हत्या की स्वतंत्र जांच की मांग को खारिज कर दिया गया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल और एस अब्दुल नज़ीर की पीठ ने कश्मीरी पंडितों के समर्थन में रूट्स द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा, हमने क्यूरेटिव पिटीशन और इससे जुड़े दस्तावेज को देखा है। हमारी राय में कोर्ट द्वारा रूपा अशोक हुर्रा बनाम अशोक हुर्रा केस में बताए गए मापदंडों के आधार पर कोई मामला नहीं बनता है। क्यूरेटिव पिटीशन खारिज की जाती है।

रूट्स इन कश्मीर ने 2017 में एक जनहित याचिका के साथ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। लगभग 700 कश्मीरी पंडितों की

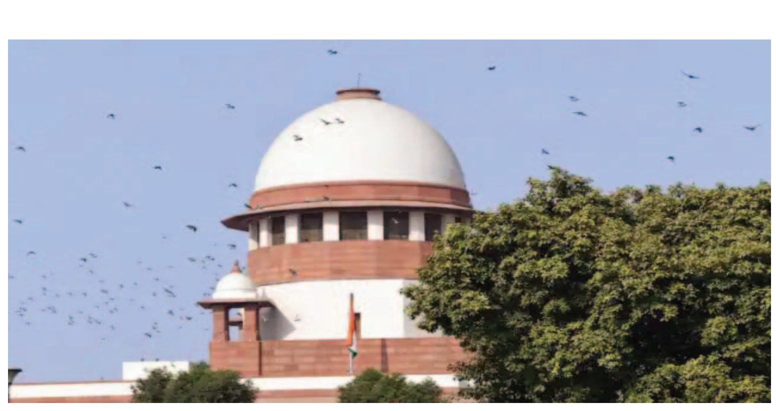

मौत के मामले में सभी मामलो को फिर से खोलने की मांग की गई थी। साथ ही कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच की मांग की थी। संगठन ने तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा एफआईआर पर मुकदमा न चलाने के कारणों की जांच के लिए एक जांच आयोग की मांग भी की थी।

जनहित याचिका पर 27 अप्रैल, 2017 को तत्कालीन सीजेआई जेएस खेहर और न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ की पीठ ने सुनवाई की और फैसला किया। आदेश में कहा गया है, हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हैं। वर्तमान याचिका में वर्ष 1989-90 का संदर्भ दिया गया है। तब से अब तक 27 वर्ष से अधिक समय बीत चुके हैं। इतने वर्षों में साक्ष्य उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

बाद में रूट्स इन कश्मीर ने इस आदेश को चुनौती देने वाली एक समीक्षा याचिका भी दायर की थी, जिसे भी अक्टूबर 2017 में खुली अदालत में सुनवाई के बिना ही खारिज कर दिया गया था। याचिका में कहा गया था, ÷निर्णय और आदेश की समीक्षा की जा सकती है। यह आदेश पूरी तरह से निराधार अनुमान पर आधारित है। इस तथ्य की अनदेखी की गई कि1996 से कुछ प्राथमिकी में मुकदमे भी चल रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मेनपुरी ने दी मुलायम को श्रद्धांजलि

डिंपल को हराने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। डिंपल के खिलाफ ऐसे उम्मीदवार को खड़ा किया था जो पहले सपा का नामी-गिरामी नेता रहा था। इसके अलावा मुलायमसिंह पिछले चुनाव में सिर्फ 94 हजार वोट से जीते थे जबकि बहुजन समाज पार्टी उनके साथ थी। इस बार अखिलेश यादव ने डिंपल को अपने दम पर लड़ाकर जितवाया है।

(लेखक/ डॉ. वेदप्रताप वैदिक)/ वर्तमान चुनावों में तीनों पार्टियां एक-एक जगह से जीत गईं लेकिन दो-दो जगह से हार गईं। इन मुख्य चुनावों के अलावा कुछ उप-चुनाव भी अलग-अलग प्रांतों में हुए। उनमें सबसे ज्यादा चर्चित रहा मेनपुरी से डिंपल यादव का चुनाव लोकसभा के लिए। डिंपल अखिलेश यादव की पत्नी और मुलायमसिंह की बहू हैं। वे लगभग 3 लाख वोटों से जीती हैं। उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को हराया है लेकिन भाजपा का एक उम्मीदवार रामपुर से जीत गया है यह भी भाजपा की उल्लेखनीय उपलब्धि है। डिंपल को हराने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। डिंपल के खिलाफ ऐसे उम्मीदवार को खड़ा किया था जो पहले सपा का नामी-गिरामी नेता रहा था। इसके अलावा मुलायमसिंह पिछले चुनाव में सिर्फ 94 हजार वोट से जीते थे जबकि बहुजन समाज पार्टी उनके साथ थी। इस बार अखिलेश यादव ने डिंपल को अपने दम पर लड़ाकर जितवाया है। यह एक उम्मीदवार की मामूली जीत नहीं है। यह अखिलेश की समाजवादी पार्टी के पुनरोदय का शंखनाद है। यह जीत उ.प्र. ही नहीं पूरे देश की राजनीति को नई दिशा दे सकती है। यह मुलायमसिंह जैसे विलक्षण नेता को जनता द्वारा दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि है जैसे कि 1984 में राजीव गांधी की अपूर्व जीत इंदिरा गांधी को दी गई जनता की श्रद्धांजलि थी। इस चुनाव के दौरान यह भी अच्छा हुआ कि अखिलेश और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच सुलह हो गई और दोनों की पार्टी का विलय हो गया। अब देखना यह है कि अगले लोकसभा चुनाव में होता क्या है? योगी आदित्यनाथ ने कुछ पहल इतनी जबर्दस्त की हैं कि उनके कारण जनता के दिलों में उन्होंने गहरा स्थान बना लिया है लेकिन मेनपुरी की जीत समाजवादी पार्टी में नई जान फूंक सकती है बशर्ते कि अखिलेश और शिवपाल सिर्फ कुर्सी और रेवड़ी की राजनीति में न फंसे रहें। इस वक्त अकेली भाजपा है जो अपनी विचारधारा पर चलने की कोशिश जैसे-तैसे करती रहती है शेष सभी पार्टियां वोट और नोट के झांझ पीटती रहती हैं। मुलायमसिंह को भी यह सब करना पड़ता था लेकिन वे डॉ. राममनोहर लोहिया के सच्चे अनुयायी की तरह भी आचरण करने की कोशिश करते थे। उन्होंने लोहिया की सप्तक्रांति के अनेक सूत्रों को लागू करने की भरपूर कोशिश की थी। उन्होंने मेरे साथ मिलकर अंग्रेजी हटाओ आंदोलन और भारत-पाक महासंघ के सवालों पर काफी काम किया था। वे कुर्सी की राजनीति में तो प्रवीण थे ही लेकिन सिद्धांतों और विचारधारा पर भी उनका पूरा ध्यान था। वे उ.प्र. के मुख्यमंत्री नहीं बनते तो भी उनका नाम देश के बड़े नेताओं में गिना जाता। वे अपने सैद्धांतिक आंदोलनों में मेरे साथ जुड़कर सभी पार्टियों के नेताओं के साथ मिल-बैठने में जरा भी संकोच नहीं करते थे। कुर्सी पकड़ना अच्छा है लेकिन यही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। कुर्सी खिसकने के बाद दुनिया के बड़े-बड़े नेता इतिहास के कूड़ेदान में जा समाते हैं। अखिलेश-जैसे नौजवान नेताओं से यह आशा करना अनुचित नहीं होगा कि वे सप्तक्रांति और जन-दक्षेस (बृहद् भारत) जैसे मुद्दों पर भी काम करें ताकि भारत सशक्त संपन्न और समतामूलक तो बने ही साथ ही प्राचीन आर्यावर्त के पड़ोसी देशों का भी उद्धार हो।

सूक्ति

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
- रविन्द्रनाथ टैगोर

कबिरा आप ठगाइये और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है और ठगे दुख होय?
- कबीर

लॉफिंग ज़ोन

टीचर, 'मनु तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए?'

मनु, 'सर मैं बहुत ज्यादा बीमार था.'

निशू, 'सर यह झूठ बोलता है मैंने कल इसे साइकिल पर जाते देखा था.'

मनु, 'सर मैं डाक्टर को बुलाने जा रहा था.'

☺ ☺ ☺

एक लड़के का लड़की से नया-नया प्रेम हुआ था. लड़की ने उसे घर आने के लिए कहा, वह दूसरे ही दिन उसके घर जा पहुंचा. काल बैल बजाने पर एक बूढ़ी महिला बाहर आई. लड़के ने कहा, 'जी क्या मैं सुनीता से मिल सकता हूं.'

बूढ़ी महिला ने पूछा, 'आप कौन हैं?' लड़का बोला, 'जी मैं उसका भाई हूं.'

महिला बोली, 'अंदर आइए, आपसे मिल कर बहुत खुशी हुई, मैं उसकी मां हूं.

☺ ☺ ☺

एक देहाती की पत्नी बोली, 'अजी एक बात बताओ क्या शाहजहां अपनी बेगम मुमताज महल से बहुत प्यार करता था?'

देहाती बाला, 'बहुत ज्यादा, इसलिए तो उसने उसकी याद में ताजमहल बनाया था.' पत्नी बोली, 'आप भी मुझसे प्यार करते हैं?' देहाती बोला, 'बहुत ज्यादा.'

पत्नी, 'क्या मेरे मरने पर भी आप इसी तरह ताजमहल बनवाओगे.'

देहाती बोला, 'मैंने तो इस काम के लिए कब का प्लाट खरीद रखा है अब सिर्फ तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

नोबेल पुरस्कारः विश्व का सर्वोच्च सम्मान

(लेखक-योगेश कुमार गोयल - नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह (10 दिसम्बर) पर विशेष

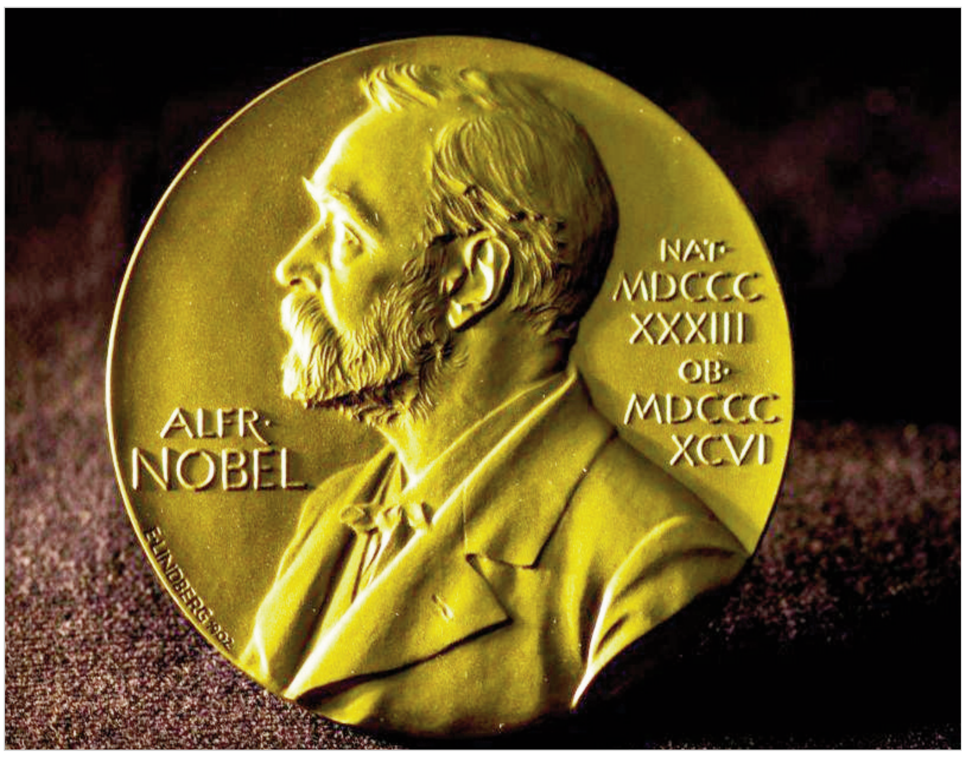

स्वीडन के जाने-माने वैज्ञानिक एल्फ्रेड नोबेल की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को स्टॉकहोम (स्वीडन) में आयोजित एक भव्य समारोह में नोबेल फाउंडेशन द्वारा कुछ महान् हस्तियों को दुनिया का सर्वोच्च सम्मान 'नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया जाता है। प्रतिवर्ष यह पुरस्कार विश्व शांति चिकित्सा शास्त्र अर्थशास्त्र साहित्य रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। विजेताओं के नामों की घोषणा करीब दो माह पूर्व अक्तूबर माह में ही कर दी जाती है। वर्ष 2022 में नोबेल पुरस्कार छह अलग-अलग श्रेणियों में कुल 14 व्यक्तियों तथा संगठनों को दिए गए हैं। इस वर्ष दुनिया की जिन महान् हस्तियों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं उनमें शांति का नोबेल पुरस्कार बेलारूस के जेल में बंद अधिकार कार्यकर्ता एलेस बियालियात्स्की रूसी मानवाधिकार संगठन 'मेमोरियल' और यूक्रेन के मानवाधिकार संगठन 'सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज' को दिया जा रहा है। इस सर्वोच्च पुरस्कार के लिए यूक्रेन के संगठन को ऐसे समय में चुना गया है जब यूक्रेन इस साल फरवरी से ही रूस के हमलों का सामना कर रहा है और दोनों देशों की सेनाएं कई इलाकों में आमने-सामने हो चुकी हैं। स्वीडिश वैज्ञानिक स्वांते पैबो को विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम से जुड़ी खोजों के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार दिया जा रहा है।

अर्थशास्त्र का नोबेल तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों बेन एस बर्नान्के डगलस डब्ल्यू डायमंड तथा फिलिप एच. डायबविग को दिया जा रहा है। इन्हें यह पुरस्कार 'बैंकों तथा वित्तीय संकटों पर शोध' के लिए दिया गया है। समाज वित्तीय संकटों से कैसे निपटता है इन अर्थशास्त्रियों ने इस पर अध्ययन किया था। नोबेल समिति के अनुसार इन्होंने अपने शोध में बताया कि बैंक को पतन से बचना क्यों महत्वपूर्ण है और कैसे बैंक का पतन वित्तीय संकट को बढ़ा देता है। 'साहस और नैदानिक तीक्ष्णता जिसके साथ वह व्यक्तिगत स्मृति व्यवस्थाओं और सामूहिक प्रतिबंधों को उजागर करती हैं' के लिए साहित्य का नोबेल फ्रैंच लेखिका एनी एर्नोक्स को दिया जा रहा है। रसायन का नोबेल पुरस्कार अणुओं के टूटने पर किए गए काम के लिए अमेरिका के कैरोलिन आर बर्टोजी डेनमार्क के मोर्टन मेल्डल तथा अमेरिका के बैरी शार्पलेस को दिया गया है। इस प्रक्रिया को 'क्लिक' रसायन विज्ञान के रूप में जाना जाता है। क्लिक रसायन विज्ञान जीवित कोशिकाओं की तरह अणुओं को एक साथ जोड़ने के बारे में है। भौतिकी का नोबेल पुरस्कार फ्रांस के एलेन आस्पेक्ट अमेरिका के जॉन एफ क्लॉसर तथा ऑस्ट्रिया के एंटोन जिलिंगर को 'क्वांटम मेकैनिक्स' के क्षेत्र में कार्य करने के लिए दिया गया है जिन्होंने उलझी हुई क्वांटम अवस्थाओं का पता लगाया है और उनके प्रयोगों ने क्वांटम प्रौद्योगिकी में वर्तमान में चल रही क्रांति की नींव रखी है। नोबेल पुरस्कारों को लेकर यह जानना बहुत दिलचस्प है कि इन पुरस्कारों को दुनिया का सर्वोच्च सम्मान क्यों माना जाता है। दरअसल इस पुरस्कार में इस वर्ष यानी 2022 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 10 मिलियन स्वीडिश क्राउन राशि दी जाएगी जो भारतीय मुद्रा में करीब 7.52 करोड़ रुपये होगी। यह राशि विश्वभर में किसी भी कार्य के लिए दिए जाने अन्य पुरस्कारों की राशि से बहुत अधिक है। यदि किसी एक क्षेत्र में एक से अधिक विजेता होते हैं तो उस क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की राशि विजेताओं में नियमानुसार बांट दी जाती है। इस पुरस्कार राशि के अलावा प्रत्येक विजेता को करीब 6 सेंटीमीटर व्यास का 200 ग्राम वजनी 23 कैरेट सोने का पदक भी दिया जाता है। नोबेल पुरस्कारों की शुरूआत 10 दिसम्बर 1901 को डा. एल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि के अवसर पर ही की गई थी और तभी से ये पुरस्कार प्रतिवर्ष निरन्तर दिए जा रहे हैं। शुरूआत में रसायन शास्त्र भौतिक शास्त्र चिकित्सा शास्त्र साहित्य और विश्व शांति के क्षेत्र में ही नोबेल पुरस्कार दिए गए और पुरस्कार के तहत करीब साढ़े पांच लाख रुपये की धनराशि दी गई थी। बाद में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में भी यह पुरस्कार दिया जाने लगा। नोबेल पुरस्कार की स्थापना स्वीडन के वैज्ञानिक डा. एल्फ्रेड नोबेल द्वारा की गई थी। 10 दिसम्बर 1896 को उनकी मृत्यु हो गई थी लेकिन अपनी मृत्यु से पहले ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए भारी-भरकम धनराशि देने के लिए 27 नवम्बर 1895 को एक वसीयत लिख दी थी। उस वसीयत के अनुसार उन्होंने अपनी करीब 90 लाख डॉलर मूल्य की कुल सम्पत्ति से मिलने वाले ब्याज का उपयोग करते हुए रसायन भौतिकी चिकित्सा साहित्य और विश्व शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का अनुरोध करते हुए इसके लिए धन के इस्तेमाल हेतु एक ट्रस्ट की स्थापना का प्रावधान किया था। 21 अक्तूबर 1833 को जन्मे एल्फ्रेड नोबेल ने डायनामाइट का आविष्कार किया था और 1867 में इंग्लैंड में उस पर पेटेंट भी ले लिया था। पेटेंट हासिल करने के बाद एल्फ्रेड काफी अमीर हो गए थे क्योंकि डायनामाइट अत्यधिक उपयोगी साबित हुआ। अपने उस आविष्कार से बहुत पैसा कमाने के बावजूद उन्हें धक्का तब लगा जब उनकी उस खोज के लिए उन्हें विध्वंसक प्रवृत्ति का व्यक्ति माना जाने लगा। यही कारण रहा कि उन्होंने अपनी कमाई गई बेशुमार दौलत में से ही कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों के लिए नोबेल पुरस्कार शुरू करने का विचार किया।

दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान कभी-कभार विवादों के साये में भी घिरा है लेकिन फिर भी वास्तविकता यही है कि दुनिया का बड़े से बड़ा शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति रहा हो जिसे इस पुरस्कार को पाने की लालसा न रही हो। नोबेल पुरस्कारों की महत्ता की बात की जाए तो इनका सबसे मजबूत पक्ष यही है कि इस पुरस्कार को पाने की आस में ही सही विश्वभर के अनेक राष्ट्र प्रमुखों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों द्वारा भी अपने क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य करने के प्रयास किए जाते रहे हैं। सही मायनों में नोबेल पुरस्कार समूची मानवता को सामाजिक न्याय लोकतंत्र तथा शांति के नजदीक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

(लेखक 32 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जब अमिताभ बोले कन्हैया जैसा कोई नही!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)
- जन्मदिन 10 दिसम्बर पर विशेष

हिंदी फिल्मों की दुनिया मे कन्हैया लाल एक ऐसा नाम है जिनके बिना हिंदी फिल्मों को अधूरा माना जाता था।चरित्र अभिनेता कन्हैया ने अपनी हर फिल्म में अपने खास अंदाज अभिनय की छाप छोड़ी।हालांकि कन्हैया को इस दुनिया से गए हुए भी काफी वर्ष हो गए है।लेकिन उनकी बेटी हेमा सिंह ने उन्हें मरने के बाद भी जीवंत बनाए रखने के लिए उनके जीवन चरित्र पर एक डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म का निर्माण किया है।उन्होंने कन्हैलाल के समूचे जीवन संघर्ष को इस डॉक्युमेंट्री में परोसने की कोशिश की है। इस फ़िल्म में बनारस से लेकर मुंबई तक के कन्हैया लाल के जीवन के हर पहलू को डॉक्युमेंट्री में शामिल किया है। पिता को कन्हैया लाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन अनुपम खेर और नसीरुद्दीन शाह जैसे फिल्मी सितारों से डॉक्युमेंट्री में कन्हैलालाल के योगदान को लेकर चर्चा की गई। हेमा सिंह का कहना है कि सिनेमा में विशेष योगदान देने के बावजूद उनके पिता कन्हैया लाल को लोगो ने भुला दिया। सरकार की तरफ से उन्हें नागरिक सम्मान तक नहीं दिया गया ना तो उनके नाम पर कोई अवॉर्ड है ना ही मेमोरियल स्थापित किया गया। जिस शहर में उनका जन्म हुआ वहां भी उनका कोई स्टेच्यू तक नहीं है। बनारस शहर और उनके पिता कन्हैया लाल एक दूसरे के ही पहलू रहें जिसकी झलक डॉक्युमेंट्री में देखने को मिल रही है। कन्हैयालाल क्या थे कहां से निकलकर आए थे और उन्होंने क्या कुछ किया हैयह सब पहली बार दर्शकों को अभिनेता कन्हैया लाल के जीवन की तमाम बातें जानने को मिल रही है। उनके पिता रामलीला मंडली चलाते थे। लेकिन पिता की काफी पहले मौत हो गई और कन्हैयालाल का परिवार मुश्किलों में आ गया था।उन दिनों उन्हें पंसारी की दुकान तक चलानी पड़ी।लेकिन अभिनय में उनकी जान बसी थी।कुछ समय बाद सिनेमा में भाग्य आजमाने के लिए उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया ताकि पैसे कमाकर घर चला सकें। कन्हैयालाल भाई के साथ मुंबई चले आए और फिल्मों में जूनियर आर्टिस्ट के रूप में कम करने लगे। सन 1938 में उनकी पहली फिल्म आई थी उनकी शक्ल सूरत और गंवई अंदाज ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई।सन1940 में महबूब खान की औरत में कन्हैया लाल ने यादगार भूमिका निभाई।17 साल बाद जब सन 1957 में मदर इंडिया के रूप में इसी फिल्म का रीमेक सामने आया तो कन्हैया लाल की भूमिका ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा।धूर्त कपटी और लम्पट सुखीलाला का उनका किरदार अमर हो गया था। सुखीलाला की टक्कर का दूसरा किरदार बॉलीवुड में शायद ही देखने को मिले। कन्हैयालाल का निधन सन 1982 में हुआ। उन्होंने करीब 105 फ़िल्में की और कई मौकों पर अपने अभिनय से सबको लाजवाब कर दिया।शब्दों के अभिनय जादूगर कन्हैया ने अपने कैरियर की शुरुआत साधना फिल्म में गीत लिखकर की थी। गीतकार लेखक निर्देशक बनने का ख्वाब पाले कन्हैया एक दिन अचानक ही अभिनय में आये और छा गए। नसीरुद्दीन शाह का मानना है कि हेमा सिंह की यह डॉक्यूमेंट्री उन्हीं कन्हैयालाल को फिर से जिंदा करने का प्रयास है जिन्होंने फिल्म 'मदर इंडिया' में सूदखोर दुष्ट सुक्खी लाला का किरदार निभाया था। निर्देशक पवन कुमार व मुकेश सिंह की यह डॉक्यूमैंट्री कन्हैया का जीवन अक्स है। कन्हैयालाल की उन फ़िल्मी ऊंचाईयों को अपनी डाक्यूमेंट्री में उनकी बेटी हेमा सिंह यादों के सहारे संजोती नजर आती है।फिल्मी दुनिया से जुड़े कई बड़े सितारों ने डॉक्यूमैंट्री में अपने-अपने शब्दों और यादों के साथ इसे और यादगार तथा दर्शनीय बना दिया है।अमिताभ बच्चन नसीरुद्दीन शाह बोमन ईरानी बोनी कपूर जॉनी लीवर पंकज त्रिपाठी बीरबल खोसला जावेद अख्तर अनुपम खेर पेंटल रणधीर कपूर सलीम खान आदि के शब्दों से हमें फिल्मी दुनिया के उस कन्हैया लाल रूपी अनमोल हीरे के बारे में पता चलता है जिसे हम और हमारा समाज भुला चुका है। कन्हैयालाल जैसे बड़े कद के अभिनेता भी वक्त की आंधियों में गुमनाम हो गए थे।नाम था कन्हैया लालडॉक्यूमेंट्री सिनेमा के उन प्रेमियों के लिए एक उपहार है जो कन्हैया लाल के दीवाने रहे है। डॉक्यूमेंट्री में 'पहन के धोती कुर्ते का जामा' गीत में उस अप्रतिम कलाकार को सच्ची श्रद्धांजलि है।जिसे देखकर आपको मदर इंडिया फिल्म का पान चबाने वाला सूदखोर लाला याद आ जाएगा ! हाथी घोड़ा पाल की जय कन्हैया लाल की हम पांच फिल्म के इस दृश्य से तो सब वाकिफ होंगे ही जब फिल्म में पांचों एक्टर एक बूढ़े व्यक्ति को उठाकर मस्ती करते हैं। ये कोई और नहीं बल्कि बॉलीवुड के वर्सेटाइल एक्टर कन्हैलाल चतुर्वेदी ही थे। कन्हैया लाल अपने गंवई स्टाइल को लेकर काफी मशहूर हुए थे एक तरह से वह कॉमिक आर्टिस्ट भी थे। हालांकि उनके इस स्टाइल को फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआती दिनों में पसंद नहीं किया था। लेकिन दर्शकों का साथ मिलने के बाद अभिनेता कन्हैया लाल फिल्म इंडस्ट्री में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हुए। कन्हैया लाल का जन्म 10 दिसंबर सन 1910 को वाराणासी के एक हिंदू ब्राम्हण परिवार में हुआ था। उनके पिता भैरव दत्त चौबे थे जो सनातन धर्म रामलीला मंडली के संचालक थे। उनके एक बड़े भाई और एक बड़ी बहन थी बहन का नाम था कुंवर और भाई का नाम संकठा प्रसाद चतुर्वेदी था। कन्हैया लाल और उनके बड़े भाई एक्टिंग के बेहद शौकीन थे। यही वजह थी कि उनका पढ़ाई में मन नहीं लगता था अक्सर वह कहा करते थे कि किताबों में क्या रखा है? बंदे अरे सबक ले जिंदगी का जिंदगी से।कन्हैया लाल अक्सर कहा करते थे कि मेरा मकसद था सिर्फ पैसा कमाना। इसलिए मैंने फिल्मों में कभी छोटा और बड़ा रोल नहीं देखा छोटे मोटे सभी रोल मैं कर लिया करता था। उन्होंने कई फिल्मों में जूनियर आर्टिस्ट का किरदार निभाया।कन्हैया लाल पान खाने के काफी शौकीन थे इतने शौकीन कि वह खाने से ज्यादा पान खाया करते थे। उनकी अदायगी में गंवई लहजे ने उन्हें सुपस्टार बना दिया था। उनके बोलने का लहजा दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर देता था अपनी इस कला से वह दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हुए। कन्हैया लाल ने मुंबई में अपने द्वारा लिखित नाटक पंद्रह अगस्त का मंचन किया ।सन 1939 में बांके के रूप में फिल्म एक ही रास्ता में उन्हें हिंदी फिल्मों में ब्रेक मिला। सन 1940 में उन्हें महबूब खान की फिल्म औरत में सुखी लाला के रूप में साहूकार की भूमिका मिली ।

(चिंतन-मनन)

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है चाहे मनुष्य हो चाहे देवता हो। निश्चित हुआ परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात् प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं हम देख सकते हैं हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी सा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे ढेर लगा था आस-पास में उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा सी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है तब तक हमारे आस-पास में हमारे सामने दाएं-बाएं चारों तरफजो सम्पदा बिखरी पड़ी है उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

गूगल क्रोम में पासकी सपोर्ट लाया

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज गूगल ने बेहतर सुरक्षा के लिए स्टेबल एम108 वर्जन के साथ क्रोम में पासकी सपोर्ट देना शुरू कर दिया है।टेक दिग्गज ने गुरुवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि पासकी पासवर्ड और अन्य फिशेबल प्रमाणीकरण फैक्टर्स के लिए एक सुरक्षित रिप्लेसमेंट है। वे अधिक सुरक्षित हैं क्योंकि उनका पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता है, सर्वर उल्लंघनों में रिसाव नहीं करते हैं और उपयोगकर्ताओं को फिशिंग हमलों से बचाते हैं। पासकी उद्योग स्टैंडडर्स पर बनाई गई हैं और विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) में काम कर सकती हैं। उनका उपयोग उन वेबसाइटों और एप्लिकेशन दोनों के साथ किया जा सकता है जो उनका समर्थन करते हैं। पासकी से साइन इन करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को खुद को उसी तरह प्रमाणित करना होगा जैसे वे किसी डिवाइस को अनलॉक करते हैं। कंपनी ने कहा, क्रोम के लेटेस्ट वर्जन के साथ, हम विंडोज 11, मैकओएस और एंड्रॉइड पर पासकी को सक्षम कर रहे हैं। एंड्रॉइड पर आपके पासकी को गूगल पासवर्ड मैनेजर या पासकी का समर्थन करने वाले किसी अन्य पासवर्ड मैनेजर के माध्यम से सुरक्षित रूप से सिंक किया जाएगा। उपयोगकर्ता डेस्कटॉप डिवाइस पर अपने आस-पास के स्मार्टफोन से पासकी का उपयोग करना भी चुन सकते हैं। एक सुरक्षित रूप से उत्पन्न कोड का वेबसाइट के साथ आदान-प्रदान किया जाता है, इसलिए ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे लीक किया जा सके। अक्टूबर में, गूगल ने अपने क्रोम कैनरी में पासकी समर्थन को टेक दिग्गज के ब्राउजर के प्रायोगिक वर्जन में रिलीज किया था।

लो-कोड सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म एयरटेबल ने 250 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की

सैन फ्रांसिस्को। ऐप्स बनाने वाले एक लो-कोड प्लेटफॉर्म एयरटेबल ने 250 से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया है जो उसके वर्कफोर्स का 20 प्रतिशत हिस्सा है।टेकक्रंच ने बताया कि प्रभावित कर्मचारियों को कम से कम 16 सप्ताह का वेतन, त्वरित इक्विटी निहित और वीजा पर एक आव्रजन वकील से समर्थन मिलेगा। कर्मचारियों को एक ईमेल में एयरटेबल के संस्थापक और सीईओ होवी लियू ने कहा, हमने कई मोर्चों पर तेजी से विस्तार और क्रियान्वयन किया है। उस समय, मुझे विश्वास था कि हम उन सभी को समानांतर रूप से सफलतापूर्वक आगे बढ़ा सकते हैं। लियू ने कहा, हालांकि, मौजूदा बाजार के माहौल में हमारे प्रयासों पर कड़ी नजर रखने के लिए, हमने अपने निष्पादन में पूर्ण फोकस, संरेखण और उत्तरदायित्व लाने के लिए उद्यम में अवसर पर कब्जा करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति वाली टीमों की पहचान की है। लियू ने कहा कि एयरटेबल अच्छी तरह से पूंजीकृत है और कहा कि आर्थिक अनिश्चितता के समय में एक कमजोर संगठन होना दोगुना महत्वपूर्ण हो जाता है। छंटनी के हिस्से के रूप में, मुख्य राजस्व अधिकारी और मुख्य उत्पाद अधिकारी जैसे प्रमुख अधिकारी शामिल हैं। कंपनी का सॉफ्टवेयर व्यवसायों को कोड का उपयोग किए बिना क्लाउड पर डेटाबेस और स्प्रैडशीट्स को एक साथ रखने की अनुमति देता है।

सोने ओर चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में शुरुआती कारोबार में सोने के दाम 0.14 फीसदी बढ़े हैं जबकि वायदा बाजार में आज चांदी 0.68 फीसदी बढ़ी है। वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह कल के बंद भाव से 73 रुपये बढ़कर 54060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोना सुबह 53999 रुपये पर खुला था। एक बार भाव 54201 रुपये पर चला गया पर इसके बाद कीमत नीचे आकर 54060 रुपये पहुंच गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में आज चांदी उछली है। चांदी का भाव आज 456 रुपये बढ़कर 67490 रुपये पर कारोबार कर रहा था। चांदी सुबह 67362 रुपये पर खुली। इसके बाद इसके भाव 67546 रुपये तक चले गये। थोड़ी देर बाद यह फिसलक 67490 रुपये पहुंच गयी। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आज भी बढ़त हैं। सोने का हाजिर भाव शुक्रवार को 0.71 फीसदी बढ़कर 1793.79 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी का भाव भी 2.36 फीसदी उछलकर 23.26 डॉलर प्रति औंस हो गया।

रेपो दर में बढ़ोतरी से एक बार फिर महंगे हुए कर्ज बैंकों ने बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की महंगाई से निपटने की जद्दोजहद जारी है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष में पांचवीं बार रेपो रेट में बढ़ोतरी कर दी है। 7 दिसंबर 2022 को बैंक ने ताजा मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए रेपो रेट को 35 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 6.25 फीसदी कर दिया है। इससे आम लोगों की जेब पर मार पड़ना तय है। आरबीआई की रेपो रेट में वृद्धि की घोषणा के बाद कई बैंकों ने अपने होम लोन में वृद्धि कर दी है। इसमें बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बड़े सरकारी बैंक भी शामिल हैं।

आइए देखते हैं अब तक किन-किन बैंकों ने होम लोन की ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि खुदरा लोन के लिए उसकी न्यूनतम ब्याज दर (बड़ौदा रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट) 8 दिसंबर से 8.85 फीसदी हो गई है। इसमें रेपो रेट का 6।25 फीसदी और 2.60 फीसदी का मार्क अप शामिल है। बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि रेपो रेट में संशोधन को देखते हुए रेपो बेस्ड लैंडिंग रेट (आरबीएलआर) को बढ़ाकर 9.10 फीसदी कर दिया गया है।

इसके अलावा 1 साल के एमसीएलआर को 8.15 फीसदी 6 महीने के एमसीएलऔर को 7.90 फीसदी किया गया है। ये बदलाव 7 दिसंबर से लागू हो गए हैं। इंडियन ओवरसीज बैंक ने कहा है कि मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स (एमसीएलआर) को 15-35 बेसिस पॉइंट तक बढ़ाया गया है।

इसके अलावा रेपो लिंक्ड लेंडिंग रोटे (आरएलएलआर) को 9.10 फीसदी कर दिया गया है। दोनों बदलाव 10 दिसंबर से लागू हो जाएंगे।

महंगाई घटी ग्रामीण बाजारों में बिक्री में वृद्धि के संकेत

मुंबई । दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली इकाइयों के लिए महंगाई का दबाव कुछ हद तक घटा है और ग्रामीण बाजारों में बिक्री में वृद्धि के संकेत हैं। विभिन्न कारोबार से जुड़ी कंपनी आईटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस समय महंगाई है इसकारण ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक उपयोग के सामान (एफएमसीजी) की बिक्री की वृद्धि रुकी हुई है। उन्होंने कहा कि बिक्री में ज्यादातर वृद्धि मुद्रास्फीति के चलते है। खपत के रुझान के बारे में पूछने पर पुरी ने कहा एफएमसीजी खंड में हम आमूलचूल बदलाव देख रहे हैं साथ ही लोग बेहतर मूल्य चाहते हैं और कम कीमत को लेकर दबाव है।उन्होंने कहा कि इनदिनों दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में भारत की स्थिति काफी बेहतर है। गौरतलब है कि विकसित दुनिया में उच्च मुद्रास्फीति है। पुरी ने कहा जहां तक खपत का सवाल है दबाव का मुख्य बिंदु मुद्रास्फीति के चलते है क्योंकि बहुत सारे उत्पादों की कीमतें एक साल में इतनी बढ़ी हैं जितनी बढ़ने में शायद पहले पांच साल लग गए होंगे। उन्होंने हालांकि कहा कि ग्रामीण मांग बेहतर होने जा रही है।

88 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला: अशनीर ने भारतपे के सह-संस्थापक नाकरानी पर बोला हमला

नई दिल्ली।

भारतपे के पूर्व सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक अश्नीर ग्रोवर ने शुक्रवार को फिनटेक प्लेटफॉर्म के सह-संस्थापक शाश्वत नाकरानी पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार पेरोल पर रहते हुए अपनी आईआईटी की डिग्री पूरी होने तक उनसे पूरे एक साल के लिए ऑफिस बंक करने को कहा था।ग्रोवर ने एक ट्वीट में कहा, दोगलापनः शाश्वत (सह-संस्थापक) मेरे लिए। भाई डिग्री पूरी करनी है। एक साल ऑफिस बंक कर के आईआईटी पूरा कर लेता हूं। सेकेंडरी करा देना और सैलरी भी मत रोकना- निवेशक को मत बताना। ग्रोवर ने आगे पोस्ट किया, शाश्वत टू बोर्ड = अशनीर के खिलाफ मामला दर्ज करने में कोई आपत्ति नहीं, यह कहते हुए कि जब उन्हें उनके समर्थन की आवश्यकता थी, नाकरानी ने उन्हें धोखा दिया। नाकरानी के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने 2019 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) -दिल्ली से टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में डिग्री के साथ स्नातक किया। भारतपे ने ग्रोवर, उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ 88 करोड़ रुपये से अधिक की कंपनी के धन की भारी हेराफेरी को लेकर आपराधिक और दीवानी कार्यवाही शुरू की है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को ग्रोवर और उनके परिजनों को कंपनी के खिलाफ मानहानिकारक बयान देने से रोकने के आदेश की मांग करने वाली कंपनी द्वारा दायर याचिका पर नोटिस और समन जारी किया। ग्रोवर-भारतपे विवाद के बीच, नाकरानी ने कहा था कि यह पूरा प्रकरण एक विचलन है और मानक नहीं है और कंपनी इस संकट को एक अवसर में बदल देगी।

आईटेल ने 4जी हाई-स्पीड हॉटस्पॉट के साथ मैजिक एक्स प्रो किया लॉन्च

8 डिवाइस हो सकते हैं कनेक्ट

नई दिल्ली।

भारत के लिए अग्रणी मोबाइल ब्रांड आईटेल ने शुक्रवार को भारत में मैजिक एक्स प्रो 4जी फोन लॉन्च करने की घोषणा की, जिसे उपभोक्ताओं को बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव प्रदान करने के लिए एक अनूठी पहल के रूप में माना जा रहा है।दो साल की सर्विस वारंटी के साथ सिर्फ 2,999 रुपये में उपलब्ध, मैजिक एक्स प्रो हाई-स्पीड हॉटस्पॉट कनेक्टिविटी प्रदान करता है जो 8 डिवाइस तक कनेक्ट हो सकते हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डुअल 4जी वोल्टई के साथ समर्थित फीचर फोन 12 भाषाओं- अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, बंगाली, ओडिया, असमिया और उर्दू को भी सपोर्ट करता है। ट्रांसियन इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा, स्मार्टफोन के युग में, फीचर फोन विशेष रूप से देश भर के भीतरी इलाकों और टियर 3 से नीचे के बाजारों में अभी भी कुछ उपयोगकर्ता वर्गों के लिए प्रासंगिक हैं। इन उपयोगकर्ताओं को फीचर फोन का उपयोग आसान लगता है और कई बार वे इसे अपने द्वितीयक उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। मैजिक एक्स प्रो ब्लू और ब्लैक कलर वेरिएंट में उपलब्ध होगा और यह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों आउटलेट्स पर उपलब्ध होगा। तालापात्रा ने कहा, 28 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ नंबर 1 फीचर फोन मोबाइल ब्रांड होने के नाते, आईटेल अपनी अत्याधुनिक तकनीक और भविष्य के नवाचारों के साथ आकांक्षी भारत को सशक्त बनाने के अपने दृष्टिकोण के साथ जारी है। आईटेल इस सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ लाने की दिशा में काम करता रहता है और मैजिक एक्स प्रो का लॉन्च इसका प्रमाण है। इसमें 2500 एमएएच की बैटरी है जो हर फीचर की प्रभावी कार्यक्षमता सुनिश्चित करता है। मैजिक एक्स प्रो की एक और अनूठी विशेषता म्यूजिक ऐप बूम प्ले है। फीचर फोन सेगमेंट अभी भी संगीत प्रेमियों के लिए एफएम रेडियो और प्रीलोडेड गानों पर निर्भर करता है, वहीं मैजिक एक्स प्रो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन संगीत सुनने की अनुमति देता है। कंपनी ने कहा कि बिल्ट-इन बूमप्ले उपयोगकर्ताओं को दुनिया भर के 74 मिलियन गानों को विभिन्न शैलियों जैसे फिल्मों, भक्ति आदि में स्ट्रीम करने की अनुमति देता है। तालापात्रा ने आगे कहा, मैजिक एक्स प्रो एक मास्टरपीस फीचर फोन है जो हाई-स्पीड इंटरनेट ब्राउजिंग, हॉटस्पॉट हब, 2 साल की सर्विस वारंटी और कई अन्य इनोवेटिव फीचर्स के साथ आता है जो इस सेगमेंट के लिए रोमांचक और प्रासंगिक हैं। मैजिक एक्स प्रो 4जी वीओएलटीई तकनीक से भरपूर है और इसमें 2.4-इंच (6.1 सेमी) क्यूवीजीए डिस्प्ले का सुंदर कर्व्ड और कॉम्पैक्ट है।

होम फर्निशिंग इंडस्ट्री की ग्लोबल कंपनी पॉटरी बार्न ने दीपिका को बनाया ब्रांड एंबेसेडर

मुंबई ।

होम फर्निशिंग इंडस्ट्री की एक ग्लोबल कंपनी है पॉटरी बार्न इसका प्रवेश भारत में हो गया है। भारत में ग्लोबल कंपनी ने रिलायंस ग्रुप की कंपनी रिलायंस ब्रांड्स को साझीदार बनाया है। इसी पॉटरी बार्न ने भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को अपना ग्लोबल ब्रांड एंबेसेडर बनाया है। ऐसा पहली बार हुआ है जबकि कोई ग्लोबल कंपनी ने किसी भारतीय अभिनेत्री को अपना ग्लोबल ब्रांड एंबेसेडर बनाया है। दुनिया भर में पॉटरी बार्न को डिजिटल-फर्स्ट डिजाइन-आधारित और सस्टेनेबल होम रिटेलर के रूप में जाना जाता है। इस कंपनी का हेडक्वार्टर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में है। पॉटरी बार्न विलियम्स-सोनोमा इंक. का एक पोर्टफोलियो ब्रांड है और इसी सितंबर में कंपनी ने रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड के साथ पार्टनरशिप में पहला स्टोर दिल्ली में खोला था। कंपनी ने प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण को ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर के तौर पर साइन किया है। ब्रांड एम्बेसडर होने के साथ दीपिका पॉटरी बार्न के साथ मिलकर एक कलेक्शन लाने की तैयारी में भी हैं। दीपिका अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में पॉटरी बार्न की इन-हाउस डिजाइन टीम के साथ मिलकर एक नए कलेक्शन पर काम करेंगी जिसे 2023 में लांच किया जाएगा। दीपिका ने साझेदारी पर खुशी जताकर कहा है इंटीरियर डिजाइनिंग को लेकर मेरा जुनून किसी से छिपा नहीं है। यही वजह है कि मैं ग्लोबल होम फर्निशिंग लीडर पॉटरी बार्न के साथ जुड़कर रोमांचित महसूस कर रही हूं और उनके साथ मिलकर कुछ शानदार काम करने को तैयार हूं। पॉटरी बार्न चीफ डिजाइन ऑफिसर मोनिका भार्गव ने कहा हम वैश्विक आइकन दीपिका के साथ साझेदारी करने को लेकर उत्साहित हैं।

गूगल ने क्रोम में मेमोरी और एनर्जी सेविंग मोड जोड़े

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज गूगल ने डेस्कटॉप पर अपने वेब ब्राउजर क्रोम में नए मेमोरी और एनर्जी सेविंग मोड्स को रिलीज करना शुरू कर दिया है।तकनीकी दिग्गज ने कहा कि नई सेटिंग्स सुनिश्चित करती हैं कि क्रोम 10 जीबी तक कम मेमोरी का उपयोग करता है ताकि उपयोगकर्ताओं के टैब सुचारू रूप से चल सकें और बैटरी के कम होने पर उसे बढ़ाया जा सके। कंपनी विंडोज, मैकओएस और क्रोमओएस के लिए अगले कई हफ्तों में मेमोरी सेवर और एनर्जी सेवर मोड दोनों को रिलीज करेगी। मेमोरी सेवर मोड उन टैब से मेमोरी को मुक्त कर देता है जिनका उपयोग उपयोगकर्ता नहीं कर रहे हैं ताकि जिस सक्रिय वेबसाइट को वे ब्राउज कर रहे हैं उसे सबसे आसान अनुभव हो। जबकि, एनर्जी सेवर मोड तब मदद करता है जब उपयोगकर्ता क्रोम के साथ वेब ब्राउज कर रहे होते हैं और उनके डिवाइस की बैटरी का स्तर 20 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यह ऐनिमेशन और वीडियो वाली वेबसाइटों के लिए बैकग्राउंड एक्टिविटी और विजुअल इफेक्ट्स को रोक कर बैटरी की बचत करेगा। कंपनी ने कहा, आप या तो फीचर को बंद कर पाएंगे या अपनी सबसे महत्वपूर्ण वेबसाइटों को मेमोरी सेवर से मुक्त कर पाएंगे। आप इन नियंत्रणों को क्रोम में थ्री-डॉट मेनू के तहत पा सकते हैं। पिछले महीने, गूगल ने अपने क्रोम कैनरी के लिए मटेरियल यू-स्टाइल कलर-आधारित थीम पेश की थी, जो टेक दिग्गज के ब्राउजर का एक प्रायोगिक वर्जन है।

अमेजॉन ने एनीम एमएमओ गेम ब्लू प्रोटोकॉल का किया खुलासा

सैन फ्रांसिस्को।

अमेजन ने द गेम अवार्डस में ब्लू प्रोटोकॉल नामक एक नए एनीमे-शैली के व्यापक मल्टीप्लेयर ऑनलाइन (एमएमओ) गेम का खुलासा किया है, जिसे अगले साल की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाना है।द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, गेम को बंदाई नमको द्वारा विकसित किया गया है और इसे पीएस5, एक्सबॉक्स सीरीज एक्स, एक्सबॉक्स सीरीज एस और पीसी पर रिलीज किया जाएगा। गेम को मल्टीप्लेयर एक्शन रोल-प्लेइंग गेम (आरपीजी) के रूप में वर्णित किया गया है, जो खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं चुनने और कहानी या मल्टीप्लेयर मोड का आनंद लेने की अनुमति देता है। पीसी खिलाड़ियों के लिए गेम का एक क्लोस्ड बीटा अगले साल की शुरूआत में जारी होने की उम्मीद है। अमेजॅन के गेम्स के उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ हार्टमैन के अनुसार, प्रकाशन की व्यवस्था मुख्य रूप से इसलिए हुई क्योंकि कंपनी बंदाई नमको के साथ काम करना चाहती थी। हार्टमैन ने द वर्ज को बताया, हम हमेशा तीसरे पक्ष के प्रकाशक बनना चाहते हैं, भले ही हमारे खेल कितने भी सफल क्यों न हों। उन्होंने कहा, सिर्फ एक पोर्टफोलियो के नजरिए से, आपके पास अलग-अलग जॉनर हो सकते हैं, विभिन्न प्रकार के खिलाड़ियों का मनोरंजन कर सकते हैं और नए लोगों को खोजने का अवसर मिल सकता है, जो आपको आंतरिक रूप से नहीं मिलेंगे। ब्लू प्रोटोकॉल के कार्यकारी निर्माता सोचीची शिमूका ने कहा कि अमेजॅन के साथ काम करने के फायदों में से एक ट्रांसमीडिया अवसर है।

ग्रेप के नियमों का उल्लंघन करने पर गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर पर लगा 10 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा।

प्रदूषण को देखते हुए ग्रेप 3 के नियम लागू हो चुके हैं और उन्हीं का पालन कराने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड की कई टीमें जगह-जगह निरीक्षण कर रही हैं। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के नियमों का उल्लंघन करने पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रेटर नोएडा में गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर पर 10 लाख रूपए का जुर्माना लगाया है।मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर साइट पर निर्माण कार्य चल रहा था। यूपीपीसीएबी के अधिकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 27 में गोदरेज गोल्फ लिंक्स बिल्डर का प्रोजेक्ट है वहां निर्माण कार्य जारी था। एंटी स्मॉग गन भी नहीं लगी थी। निर्माण सामग्री खुले में पड़ी थी। प्रोजेक्ट पर मिट्टी से धूल उड़ रही थी। पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा था। इसलिए बिल्डर पर 10 लाख का जुर्माना लगाया गया और इसकी रिपोर्ट ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को भेज दी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई ऑरेंज जोन में बना हुआ है। आज ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 300 के अंदर है और नोएडा में भी एक्यूआई 272 पर है। फिलहाल 2 दिनों से स्थिति ऑरेंज जोन में बनी हुई है जो थोड़ी राहत की बात दिखाई दे रही है।

विंडोज 11 में बिल्ट-इन स्क्रीन रिकॉर्डिंग टूल मिलेगा

सैन फ्रांसिस्को।

उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से, तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने देव चैनल के इनसाइडर्स के लिए विंडोज 11 के स्निपिंग टूल के लिए एक अपडेट रिलीज करना शुरू कर दिया है, जिसमें एक बिल्ट-इन स्क्रीन रिकॉर्डर टूल शामिल है।माइक्रोसॉफ्ट ने गुरुवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि स्निपिंग टूल ने पीसी से कंटेंट को कैप्चर करना और साझा करना हमेशा तेज और आसान बना दिया है और अब स्क्रीन रिकॉर्डिंग बिल्ट-इन के साथ कंपनी इन क्षमताओं का और भी अधिक प्रकार के कंटेंट में विस्तार कर रही है। विंडोज इनबॉक्स एप्स के प्रिंसिपल प्रोग्राम मैनेजर लीड, डेव ग्रोचोकी ने कहा, हम जानते हैं कि स्निपिंग टूल इनसाइडर समुदाय के बीच पसंदीदा है, इसलिए हम इस अपडेट के साथ एक बिल्ट-इन स्क्रीन रिकॉर्डर पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। नए टूल का उपयोग करने के लिए, उपयोगकर्ता को स्निपिंग टूल एप्लिकेशन खोलने और नए रिकॉर्ड विकल्प का चयन करने की आवश्यकता होती है। स्क्रीन रिकॉर्डिंग सत्र शुरू करने से पहले, उपयोगकर्ता अपनी स्क्रीन के उस क्षेत्र को चुनने और समायोजित करने में सक्षम होंगे जिसे वे रिकॉर्ड करना चाहते हैं। पूरा होने के बाद, उपयोगकर्ता अपनी रिकॉर्डिंग को दूसरों के साथ सेव करने या शेयर करने से पहले इसका पूर्वावलोकन कर सकते हैं। ग्रोचॉकी ने समझाया, हम अभी रिलीज करना शुरू कर रहे हैं, इसलिए देव चैनल के सभी इनसाइडर्स को तुरंत अपडेट नहीं मिलेगा। अक्टूबर में, टेक दिग्गज ने फाइल शेयरिंग सहित कई नए फीचर्स शुरू किए थे, ताकि उपयोगकर्ताओं को विंडोज 11 में आसानी से फाइल और फोटो साझा करने में मदद मिल सके।

कर्मचारियों को निकालने पर दो महिलाओं ने मस्क के ट्विटर पर मुकदमा दायर किया

सैन फ्रांसिस्को।

दो महिला ट्विटर कर्मचारियों ने एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया है, जिसमें माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर संघीय और कैलिफोर्निया राज्य के कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।सैन फ्रांसिस्को फेडरल कोर्ट में दायर क्लास-एक्शन मुकदमे में कहा गया है कि मस्क ने 47 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 57 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। रिपोटरें के अनुसार, कम से कम तीन ट्विटर कर्मचारियों ने अमेरिका में राष्ट्रीय श्रम संबंध बोर्ड (एनएलआरबी) के साथ ट्विटर के खिलाफ अन्य शिकायतें दर्ज की हैं। मस्क ने नवंबर में लगभग 3,800 नियमित कर्मचारियों को निकाल दिया था, जिसमें हजारों संविदा कर्मचारी शामिल थे। बाद में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने खुद ही इस्तीफा दे दिया। नए क्लास-एक्शन मुकदमे पर ट्विटर या मस्क ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बीच, एक वरिष्ठ ट्विटर कर्मचारी ने मस्क द्वारा निकाल दिए जाने से रोकने के लिए आयरिश अदालत से एक अस्थायी निषेधाज्ञा प्राप्त की। अदालत के आदेश को सिनैड मैकस्वीनी द्वारा सुरक्षित किया गया, जो सार्वजनिक नीति के लिए ट्विटर की वैश्विक उपाध्यक्ष हैं। ट्विटर ने कहा कि उसने एग्जिट पैकेज स्वीकार कर लिया है लेकिन मैकस्वीनी ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। मैकस्वीनी ने कहा कि वह अक्सर प्रति सप्ताह 40 घंटे से अधिक काम करती थी, जैसा कि उनके अनुबंध के तहत आवश्यक था।मस्क ने यूरोपीय संघ (ईयू) में ब्रसेल्स में अपना कार्यालय बंद कर दिया।

ब्रसेल्स कार्यालय यूरोपीय आयोग के साथ निकटता में काम करते हुए, यूरोपीय संघ की डिजिटल नीति पर केंद्रित था।

साल का समापन विश्व नंबर दो के रूप में करना सुखद : सुकांत कदम

(एजेंसी) भारतीय पैरा शटलर सुकांत कदम ने पिछले कुछ महीनों में अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एसएल 4 वर्ग में विश्व में नंबर दो रैंकिंग हासिल कर ली है। सुकांत ने हाल में लीमा में संपन्न पेरू पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में स्वर्ण पदक जीता था। सुकांत ने नवम्बर में टोक्यो में बीडब्लूएफ पैरा विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय शटलर रैंकिंग में फ्रांस के लुकास मजूर से पीछे हैं जो एसएल 4 वर्ग में विश्व और पैरालम्पिक चैंपियन हैं। सुकांत ने इस उपलब्धि के बारे में कहा, मुझे विश्व नंबर दो बनने की बहुत खुशी है। मैंने ट्रेनिंग में काफी मेहनत की थी जो अब परिणामों में दिखाई दे रही है। साल का समापन विश्व नंबर दो के रूप में करना काफी सुखद है। इससे मुझे आगे कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी, लेकिन 2023 काफी महत्वपूर्ण वर्ष है जिसमें एशियाई पैरा खेल और पैरालम्पिक क्वॉलिफिकेशन्स हैं। मैं अपने प्रदर्शन में सुधार लाना चाहता हूं और उच्च स्तर पर अपना प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं।

पीकेएल

दबंग दिल्ली ने प्लेऑफ में बनाई जगह

(एजेंसी)

नवीन कुमार की प्रतिभा की अगुवाई में दबंग दिल्ली ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ 46-46 के स्कोर के साथ टाई पर खत्म किया, जिससे उन्हें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई में मदद मिली। दिल्ली के लिए जीत या टाई की जरूरत थी, उन्हें गचीबोवली इंडोर स्टेडियम में गुजरात जायंट्स को रेस से बाहर करने के लिए शाम के अंतिम रेड में रणनीतिक रूप से टाई अर्जित किया। हाई-प्रेशर मैच में इस साल लीग में दो सर्वश्रेष्ठ रेडर्स का सामना हुआ और शुरुआती चरणों में बंगाल वॉरियर्स अधिक प्रभावी थे। जहां दबंग दिल्ली बोनस अंकों पर निर्भर थी, वहीं बंगाल वारियर्स ने भी स्पर्श अंक प्राप्त करके प्रत्येक रेड को अधिक मूल्यवान बना दिया। नतीजतन, पहले हाफ के अंत तक उन्होंने दबंग दिल्ली को दो बार ऑल आउट करके 25-19 की बढ़त बना ली। दबंग दिल्ली ने दूसरे हाफ में वापसी की, उनके डिफेंडर दीपक, विशाल और अमित हुड्डा ने न केवल नवीन की शानदार रेडिंग में मदद की, बल्कि मैट पर भी दबदबा बनाया और दबंग दिल्ली को मैच वापसी कराई। हाई-प्रेशर मैच में इस साल लीग में दो सर्वश्रेष्ठ रेडर्स का सामना हुआ और शुरुआती चरणों में बंगाल वॉरियर्स अधिक प्रभावी थे। जहां दबंग दिल्ली बोनस अंकों पर निर्भर थी, वहीं बंगाल वारियर्स ने भी स्पर्श अंक प्राप्त करके प्रत्येक रेड को अधिक मूल्यवान बना दिया। नतीजतन, पहले हाफ के अंत तक उन्होंने दबंग दिल्ली को दो बार ऑल आउट करके 25-19 की बढ़त बना ली। अंतिम तीस सेकंड के दौरान दबंग दिल्ली के लिए प्ले ऑफ क्वालीफाई का दबाव था और मैट के दोनों छोर पर अंक प्राप्त करने थे। 15 सेकंड के साथ, दबंग दिल्ली दिल्ली ने केवल एक अंक, एक जीत और एक टाई के साथ उन्हें लाइन के माध्यम से आगे बढ़ाया। शाम के अंतिम रेड में मनिंदर केवल एक अंक के साथ वापस आए और मैच को टाई पर खत्म किया।

बार्टी को मिला ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा खेल सम्मान

कैनबरा, (एजेंसी)

रिटायर्ड टेनिस स्टार एश्ले बार्टी को उनके करियर में दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े खेल सम्मान द डॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। गुरूवार रात ऑस्ट्रेलिया के वार्षिक हॉल ऑफ फेम खेल सम्मान समारोह में बार्टी को द डॉन अवार्ड- महान डॉन ब्रैडमैन के नाम पर रखा गया- से सम्मानित किया गया। वह इस पुरस्कार को एक से ज्यादा बार जीतने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयीं। वर्ष 2022 में विश्व की नंबर एक खिलाडी के रूप में प्रवेश करने वाली बार्टी 1978 के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन एकल खिताब जीतने वाली पहली घरेलू खिलाड़ी बनी थीं। इसके दो महीने वाद तीन बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन ने मात्र 25 साल की आयु में टेनिस से संन्यास लेने की आश्चर्यजनक घोषणा कर दी। बार्टी ने अपने संन्यास के फैसले को परफेक्ट एंडिंग बताया जिससे कोर्ट पर वापसी की उनकी सम्भावना ही समाप्त हो गयी। द डॉन अवार्ड उस खिलाड़ी या टीम को दिया जाता है जिसने अपने प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को प्रेरित किया हो। बार्टी ने यह पुरस्कार 2019 में भी जीता था। इस पुरस्कार को कई बार जीतने वाले अन्य खिलाड़ी स्टीव हुकर और सैली पियर्सन हैं। अपने करियर में 17 विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले मध्य और लम्बी दूरी के धावक रोन क्लार्क और पूर्व लेग स्पिनर शेन वार्न को हॉल ऑफ फेम में लीजेंड का दर्जा दिया गया। वार्न का 52 वर्ष की उम्र में गत मार्च में निधन हो गया था। बार्टी ने यह पुरस्कार 2019 में भी जीता था। इस पुरस्कार को कई बार जीतने वाले अन्य खिलाड़ी स्टीव हुकर और सैली पियर्सन हैं।

रणजी ट्राफी के लिए यूपी टीम का एलान, इस प्लेयर को मिली कप्तानी

कानपुर : रणजी ट्राफी टूर्नामेंट के लिए कप्तान करन शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) की विज्ञप्ति के अनुसार टीम के अन्य सदस्यों में माधव कौशिक,आंजनेय सूर्यवंशी, रिंकू सिंह, समीर चौधरी, प्रियम गर्ग, आकाशदीप नाथ, शिवम शर्मा, शिवा सिंह, प्रिंस यादव, अंकित राजपूत, शिवम मावी, आकिब खान,अराध्य यादव और कुनाल यादव शामिल हैं। अटल बिहारी राय, ध्रुव चंद जुरेल, कार्तिकेय जायसवाल, जसमेर धनखर और समर्थ सिंह को स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर टीम के लिए सुरक्षित रखा गया है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज मिग्नॉन डू प्रीज ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

जोहान्सबर्ग, (एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका की महिला बल्लेबाज मिग्नॉन डू प्रीज ने शुक्रवार को लगभग 16 साल के करियर के बाद टी20 सहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की।

दक्षिण अफ्रीका की सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर मिग्नॉन ने अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में 2022 के पहले महिला क्रिकेट टी20 टूर्नामेंट में अपना आखिरी मैच खेला था। न्यूजीलैंड में वनडे विश्व कप 2022 में भाग लेने के बाद वह पहले टेस्ट और वनडे से साल के शुरू में संन्यास ले चुकी थीं। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के पंद्रह साल से ज्यादा साल अच्छे रहे हैं। आप जिस चीज से प्यार करते हैं, उससे दूर जाना कभी भी आसान फैसला नहीं होता, जितना कि मैं क्रिकेट से प्यार करती हूं, लेकिन मैं दिल से जानती हूं कि मेरे संन्यास की घोषणा करने का यह सही समय है। मिग्नॉन ने कहा, हालांकि, मैं वैश्विक लीग में खेल के छोटे प्रारूप को तब तक खेलना जारी रखूंगी जब तक कि मुझे मां बनने और खुद का परिवार शुरू करने का सौभाग्य नहीं मिल जाता है। अब सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। दक्षिण अफ्रीका में 17 साल की उम्र में वनडे में डेब्यू करने के सात महीने बाद अगस्त 2007 में उन्होंने टी20 टीम में प्रवेश किया। रिटायरमेंट के समय, 33 वर्षीय मिग्नॉन ने 114 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 20.98 के औसत से 1,805 रन बनाए हैं, जिसमें सात अर्धशतक और 2014 में सोलीहुल में आयरलैंड के खिलाफ 69 का उच्च स्कोर शामिल है। उन्होंने कहा, मेरे पहले मिनी-क्रिकेट कोच होने और मुझे इस खूबसूरत खेल से प्यार कराने के लिए और इस तरह के अद्भुत रोल मॉडल होने के लिए मेरे मां और पिताजी को एक विशेष धन्यवाद। दक्षिण अफ्रीका में 17 साल की उम्र में वनडे में डेब्यू करने के सात महीने बाद अगस्त 2007 में उन्होंने टी20 टीम में प्रवेश किया। रिटायरमेंट के समय, 33 वर्षीय मिग्नॉन ने 114 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 20.98 के औसत से 1,805 रन बनाए हैं, जिसमें सात अर्धशतक और 2014 में सोलीहुल में आयरलैंड के खिलाफ 69 का उच्च स्कोर शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

फीफा विश्व कप से बाहर होने के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस एनरिक ने पद से दिया इस्तीफा

(एजेंसी)

फीफा विश्व कप: मोरक्को द्वारा फीफा विश्व कप 2022 से टीम को बाहर करने के बाद लुइस एनरिक ने गुरुवार को स्पेन के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। 52 वर्षीय एनरिक 2018 से टीम के प्रभारी थे और उन्होंने स्पेन को यूरो 2020 के सेमीफाइनल में पहुंचाया था। स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) ने एनरिक को उनकी सेवा के लिए धन्यवाद देते हुए एक बयान जारी किया और राष्ट्रीय टीम के लिए एक नई परियोजना शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। बयान में कहा गया है, आरएफईएफ लुइस एनरिक और उनके पूरे कोचिंग स्टाफ को हाल के वर्षों में राष्ट्रीय टीम को दी गई सेवाओं को लेकर धन्यवाद देना चाहता है। उन्होंने कहा, आरएफईएफ के खेल प्रबंधन ने राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट स्थानांतरित कर दी है, जिसमें यह निर्धारित किया गया है कि लुइस द्वारा किए गए कार्यों के लिए हाल के वर्षों में हासिल की गई वृद्धि को जारी रखने के उद्देश्य से स्पेनिश टीम के लिए एक नई परियोजना शुरू होनी चाहिए। इसमें कहा गया, अध्यक्ष लुइस रुबियल्स और खेल निदेशक जोस फ्रांसिस्को मोलिना दोनों ने इस फैसले को कोच तक पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, आरएफईएफ के खेल प्रबंधन ने राष्ट्रपति को एक रिपोर्ट स्थानांतरित कर दी है, जिसमें यह निर्धारित किया गया है कि लुइस द्वारा किए गए कार्यों के लिए हाल के वर्षों में हासिल की गई वृद्धि को जारी रखने के उद्देश्य से स्पेनिश टीम के लिए एक नई परियोजना शुरू होनी चाहिए।

आईएसएल: नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने मुख्य कोच मार्को बलबुल से नाता तोड़ा

(एजेंसी)

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने गुरुवार को 2022-23 सत्र के खराब प्रदर्शन के बाद मुख्य कोच मार्को बलबुल के हटने की पुष्टि की। नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह घोषणा की। क्लब ने एक ट्वीट में कहा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने हेड कोच मार्को बलबुल से नाता तोड़ लिया है। क्लब उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है। बलबुल को आईएसएल 2022-23 सीजन से पहले क्लब के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। इस अभियान में अपनी टीम के लिए सिर्फ आठ मैचों का प्रबंधन करने के बाद क्लब से बाहर हो गए हैं। क्लब ने एक ट्वीट में कहा, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने हेड कोच मार्को बलबुल से नाता तोड़ लिया है। क्लब उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है।

खराब प्रदर्शन के बाद जर्मनी, बेल्जियम की जर्सी की कीमतों में आई गिरावट

(एजेंसी)

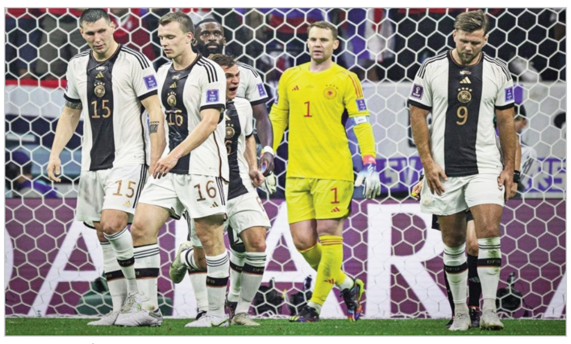

कतर विश्व कप 2022 में जर्मनी और बेल्जियम के खराब प्रदर्शन के बाद दोहा में जर्मनी और बेल्जियम की जर्सी की कीमतों में भारी गिरावट आई है। विश्व कप सिर्फ 32 टीमों के बीच की प्रतियोगिता नहीं है बल्कि जर्सी प्रायोजकों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार भी है। कुछ पसंदीदा जो कतर में रह गए हैं, उनकी जर्सी बिक गई है, लेकिन इसके विपरीत, कुछ अन्य पक्षों के लिए जो पहले ही जा चुके हैं, उनके बच्चे अनुपयोगी हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दोहा स्थित एक शॉपिंग मॉल में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इंग्लैंड, अर्जेंटीना और पुर्तगाल की जर्सी की सबसे ज्यादा मांग है, लेकिन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने वाले जर्मनी और बेल्जियम की जर्सी को डिस्काउंट पर बेचना पड़ रहा है। जर्मनी की जर्सी की कीमत 670 कतरी रियाल (लगभग 184 अमेरिकी डॉलर) से गिरकर 329 कतरी रियाल (लगभग 90.3 अमेरिकी डॉलर) हो गई।

वहीं, बेल्जियम जर्सी की कीमत 430 कतरी रियाल थी, जो अब 50 फीसदी गिर गई। डिस्काउंट मर्चेंडाइज की एक टोकरी खरीदने वाले एक ग्राहक ने शिन्हुआ को बताया कि वह इन टीमों के लिए कठिन नहीं था, लेकिन उसने सोचा कि जर्सी संग्रह के लिए कीमत अच्छी है। जर्मनी की जर्सी की कीमत 670 कतरी रियाल (लगभग 184 अमेरिकी डॉलर) से गिरकर 329 कतरी रियाल (लगभग 90.3 अमेरिकी डॉलर) हो गई। वहीं, बेल्जियम जर्सी की कीमत 430 कतरी रियाल थी, जो अब 50 फीसदी गिर गई।

एशियन किक बॉक्सिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सुधीर सक्सेना थाईलैंड रवाना

(एजेंसी)

भारत के सुधीर सक्सेना थाईलैंड के बैंकॉक शहर में 10 से 18 दिसंबर तक आयोजित होने वाली एशियन किक बॉक्सिंग में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली से आज रवाना हुए। सुधीर को थाईलैंड में हो रही एशियन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन की ओर से पंजाब नेशनल बैंक एवं गौरव्या फैसिलिटी के सहयोग से भेजा गया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन एशियन किक बॉक्सिंग कंफेडरेशन एवं वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ किकबॉक्सिंग आगेर्नाइजेशन द्वारा किया जा रहा है। सुधीर सक्सेना ने हाल ही में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित सेकंड इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। सुधीर ने इसके पूर्व इटली में वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया था और हाल ही में उज्बेकिस्तान में देश के लिए कांस्य पदक जीता था। अंतराष्ट्रीय खेल किक बॉक्सिंग जिसमें भारत की पहुंच आज तक दुर्लभ देखी गई है, ऐसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्व चैम्पियनशिप और एशियन चैंपियनशिप के सदस्य सुधीर सक्सेना भारत के लिए विश्व स्तर पर एक गौरवपूर्ण भूमिका के किरदार हैं। सुधीर सक्सेना ने हाल ही में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित सेकंड इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। सुधीर ने इसके पूर्व इटली में वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया था और हाल ही में उज्बेकिस्तान में देश के लिए कांस्य पदक जीता था।

रंधावा और जीव फाइनल राउंड से पहले पिछड़े

स्कॉट्सडेल, भारत के ज्योति रंधावा और जीव मिल्खा सिंह गुरूवार को तीसरे राउंड की समाप्ति के बाद पीजीए टूर चैंपियंस कार्ड हासिल करने की होड़ में पिछड़ गए हैं। रंधावा ने हालांकि तीसरे राउंड में सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेला लेकिन वह तीन दिन के चार अंडर 209 के स्कोर के साथ संयुक्त 26वें स्थान पर हैं। रंधावा ने इस रॉउंड में छह बर्डी खेली और सिर्फ एक बोगी मारी। वह इस सप्ताह दांव पर लगे पांचे टूर कार्ड हासिल करने के मार्क से आठ शॉट पीछे हैं। जीव ने तीसरे राउंड में पार 71 का कार्ड खेला। वह संयुक्त 32वें स्थान के साथ दो अंडर के स्कोर पर हैं। शीर्ष पांच फिनिश उनकी पहुंच से बाहर हो चुकी है। फ्रान क्वीन ने चार अंडर 67 का कार्ड खेला और पीजीए टूर चैंपियंस क्वालीफाइंग टूर्नामेंट (अंतिम चरण) के आखिरी राउंड में प्रवेश से पहले उनके पास एक शॉट की बढ़त हो चुकी है। उनका तीन राउंड का स्कोर 13 अंडर है। जीव ने तीसरे राउंड में पार 71 का कार्ड खेला। वह संयुक्त 32वें स्थान के साथ दो अंडर के स्कोर पर हैं। शीर्ष पांच फिनिश उनकी पहुंच से बाहर हो चुकी है।

भारत के खिलाफ कप्तानी करने को तैयार अलाइसा हेली, बोलीं- मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है

मुबंई ।(एजेंसी)

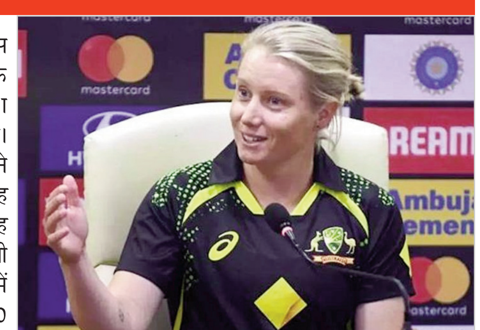

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की नियमित कप्तान मेग लैनिंग के स्थान पर भारत के खिलाफ हाई प्रोफाइल टी20 सीरीज का नेतृत्व कर रही अलाइसा हेली ने कहा कि उन्हे चुनौतियों का सामना करना पसंद है और वह टीम की कप्तानी के लिये पूरी तरह तैयार हैं। हेली भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की सातवीं कप्तान होंगी जिन्हे पूर्णकालिक कप्तान मेग लेनिंग की जगह यह जिम्मेदारी दी गई है। लेनिंग अनिश्चकालीन ब्रेक पर हैं और लगातार टीम का हिस्सा नहीं बन रही है। रासेल हेंस के रिटायरमेंट के बाद हेली को हाल ही में टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था और अब वह लेनिंग की गैर मौजूदगी में टीम की कप्तान होंगी। हेली ने कहा '' मुबंई में भारत के खिलाफ पहले टी20 मैच में खेलना दिलचस्प होगा। मैं सोचती हूं कि रेखाएं बहुत धुंधली हैं। इसमें थोड़ा बहुत है, लेकिन यह दिलचस्प है। मुझे लगता है कि मुझे इसे अपना बनाने और इसे अपनी भूमिका बनाने की आजादी दी गई है।'' लेनिंग के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर हेली ने कहा '' हम मेग के भविष्य के बारे में 100 प्रतिशत निश्चित नहीं हैं, वह अपने समय में कुछ निर्णय लेगी और उसने उस अवसर को वहन किया है। मेरे लिए अभी महत्वपूर्ण यह है कि मै इस श्रृंखला में टीम की कप्तानी पर ध्यान दूं। सच कहूं तो मैं मेग से तनिक जुदा हूं। मैं टीम की सफलता के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही हूं।'' उन्होने कहा कि '' मुझे कठिन चुनौतियों का सामना करना अच्छा लगता है। मैं मुंबई में टीम का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक थीं। हालांकि यह एक आसान काम नहीं है। यह एक चुनौती है और मुझे चुनौती पसंद है। अगले साल के शुरू में होने वाले महिला टी20 विश्वकप की तैयारियों के मद्देनजर दोनो टीमों के लिये पांच मैचों की टी20 सीरीज महत्वपूर्ण होगी। दक्षिण अफ्रीका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए दोनो टीमों के लिये अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का अंतिम अवसर होगा। दोनो टीमों के बीच आज से पहला मैच खेला जायेगा जबकि पांचवा और अंतिम मुकाबला ब्रेबोर्न स्टेडियम पर होगा।

एआईएफएफ वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता का सख्ती से पालन करेगा: प्रभाकरण

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव प्रभाकरण ने कहा कि पिछले कुछ समय से यह महासंघ भरोसे की कमी से जूझ रहा है और नये प्रशासन का प्रयास वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता पर जोर देने के साथ संगठन की सकारात्मक छवि बनाना है। अगस्त में भंग होने से पहले एआईएफएफ के मामलों को देखने वाली प्रशासकों की समिति ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया था कि महासंघ के खातों के 'फॉरेंसिक ऑडिट' में प्रथम दृष्ट्या पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल की अध्यक्षता वाले इसके पिछले प्रबंधन द्वारा बड़े पैमाने पर धन की हेराफेरी का खुलासा हुआ था। प्रभाकरण ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा,''पहले जो कुछ भी हुआ उसके कारण एआईएफएफ के प्रति भरोसा (जनता का) काफी कम हुआ है। हमें इसे फिर से कायम करना है।'' उन्होंने कहा,''हम इस मामले में गंभीर हैं, यह संगठन (जनता के प्रति) जवाबदेह है और इसलिए हम पारदर्शिता पर जोर दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि एआईएफएफ 'फॉरेंसिक रिपोर्ट' का इंतजार कर रहा है जिसका इस्तेमाल उसके प्रशासन के वित्तीय पहलू में सुधार के लिए किया जा सकता है। प्रभाकरण ने कहा,''हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि यह मामला उच्चतम न्यायालय में है। एक बार जब फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट हमारे पास आ जायेगी तब हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। एक मजबूत और पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन प्रणाली होना हमारी मौलिक जिम्मेदारी है।''

आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी–** अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्‌टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्‌टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय–** मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर –** बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में–** पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस
- **बीजोपचार–** गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि–** गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक–** सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।
- **सिंचाई–** बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई–** गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई–** जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार–**
  अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे

हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि

इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्युसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

- **जलवायु –** इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त –** इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया–** ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।
- **बुआई–** बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक- दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।
- **खाद–** ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई –** ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई–** जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्योति, जोबनेर ग्रीन।

खाद एवं उर्वरक– बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या आं

बुवाई एवं बीज की मात्रा– एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकवां विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौध की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निराई-गुड़ाई– बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निराई-गुड़ाई करना जरुरी होता है।

कटाई एवं उपज– पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

जलवायु– यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियां अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्ठल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी– पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में– इसकी दो प्रचलित किस्में हैं– छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे नुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है। बड़ा ककोड़ा किस्म में पैदावार अधिक मिलती है।

जलवायु– इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी– साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि– बीजों से लगाने पर फल भी 1–2 वर्ष बाद आते हैं। अत : ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2–3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि– प्रथम विधि– दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग–अलग करने का समय फरवरी–मार्च व जून–जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि– इस विधि में मादा पौधों से 2–3 माह पुरानी बेल से 30–40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60–80 दिनों में जड़ें फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्‌टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद–उर्वरक एवं रोपाई– प्रत्येक क्यारी में 30–40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च–अप्रैल में 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 3×2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियों, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4–5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुन : 20–30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अत : इनमें प्रति थांवला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3–4 किलो गोबर खाद तथा 20–30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई– ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6–10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2 महिला ट्विटर कर्मचारियों ने मस्क द्वारा संचालित कंपनी के खिलाफ मुकदमा किया

सैन फ्रांसिस्को। दो महिला ट्विटर कर्मचारियों ने एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है इसमें माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर संघीय और कैलिफोर्निया राज्य के कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। सैन फ्रांसिस्को फेडरल कोर्ट में दायर क्लास-एक्शन मुकदमे में कहा गया है कि मस्क ने 47 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 57 प्रतिशत महिला कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कम से कम तीन ट्विटर कर्मचारियों ने अमेरिका में राष्ट्रीय श्रम संबंध बोर्ड (एनएलआरबी) के साथ ट्विटर के खिलाफ अन्य शिकायतें दर्ज की हैं। मस्क ने नवंबर में लगभग 3800 नियमित कर्मचारियों को निकाल दिया था जिसमें हजारों संविदा कर्मचारी शामिल थे। बाद में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने खुद ही इस्तीफा दे दिया। नए क्लास-एक्शन मुकदमे पर ट्विटर या मस्क ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

इस्तांबुल के आलीशान होटल में आग लगी, किसी के घायल होने की सूचना नहीं

इस्तांबुल। तुर्किये में इस्तांबुल स्थित एक आलीशान होटल में शुक्रवार को आग लग गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मीडिया खबरों के जरिये यह जानकारी मिली। एनटीवी टेलीविजन की खबर में बताया गया कि 'सिरागन पैलेस होटल' की चौथी मंजिल पर यह आग लगी, जिससे पूरी इमारत में धुआं फैल गया। खबर के मुताबिक होटल में फंसे अतिथियों और कर्मचारियों को सकुशल बचा लिया गया है। बॉसपोरस जल संधि के तट पर स्थित इस होटल पर कई एंबुलेंस को बुलाया गया है। फिलहाल आग लगने के कारण की जानकारी नहीं मिल सकी है।

सदन के सांसदों और उनके साथियों के लिए 6 सैट्स परीक्षा का आयोजन

लंदन । लंदन के वेस्टमिंस्टर का महल हाउस ऑफ कॉमन और हाउस ऑफ लॉर्ड्स यूनाइटेड किंगडम की संसद में दो सदन हैं। सदन के सांसदों और उनके साथियों के लिए एक साल का 6 सैट्स परीक्षा का आयोजन किया था। इस परीक्षा में देशभर के 10 साल के बच्चों की तुलना में औसतन कम परिणाम प्राप्त किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षा में सांसदों के साथ-साथ कॉमन्स एजुकेशन सेलेक्ट कमेटी के अध्यक्ष रॉबिन वॉकर सहित सांसदों ने मोर देन ए स्कोर की ओर से 11 साल के बच्चों की निगरानी में आयोजित वेस्टमिंस्टर कार्यक्रम में परीक्षाओं में हिस्सा लिया है। परीक्षा में वेस्टमिंस्टर क्लास 2022 कहने वाले सांसदों के क्रॉस-पार्टी समूह के केवल 44 प्रतिशत ने ही गणित में अपेक्षित मानक हासिल किए हैं और केवल 50 प्रतिशत ने ही वर्तनी विराम चिह्न और व्याकरण में अपेक्षित मानक हासिल किया है। देश भर में पिछली बार 2019 में भी परीक्षाएं ली गईं थीं। लेकिन इस बार 10 और 11 साल की उम्र के 59 प्रतिशत छात्रों ने गणित सैट्स पढ़ने और लिखने के टेस्टों में अपेक्षित स्तर तक पहुँच प्राप्त की है। यह 2019 की तुलना में 65 प्रतिशत से कम है। कमेटी के अध्यक्ष रॉबिन वॉकर ने परीक्षाओं की बड़े स्तर पर अनुभव करने के लिए अपने रूढ़िवादी साथियों फ्लिक ड्रमंड और गगन मोहिंद्रा के साथ-साथ ग्रीन पार्टी की लेडी बेनेट लेबर सांसद इयान बर्न और एम्मा लेवेल-बक के साथ बिग सैट्स सिट-इन वेस्टमिंस्टर में भाग लिया। मोर देन ए स्कोर ने उम्मीद जाहिर है कि राजनेता उच्च दबाव वाले अनुभव को अपने साथ लेकर जाएंगे। बायरन ने कहा ने कहा कि परीक्षा बहुत भयानक थी। इन छोटे बच्चों के दिमाग पर इस तरह के दबाव का बड़ा प्रभाव होगा। इस स्तर के सैट्स को खत्म कर देना चाहिए। मुझे खुशी है कि इतने सारे क्रॉस-पार्टी सहयोगी भी इस तरह के परीक्षा सैट्स के दबाव का अनुभव कर सकते हैं।

फेडरल रिजर्व की प्रथम उपाध्यक्ष बनीं भारतीय मूल की सुष्मिता शुक्ला

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल की सुष्मिता शुक्ला को न्यूयॉर्क में फेडरल रिजर्व बैंक की प्रथमउपाध्यक्ष (फर्स्ट वाइस प्रेसिडेंट) एवं मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया गया है। अब वह इस प्रतिष्ठित केंद्रीय बैंक की दूसरी सबसे बड़ी अधिकारी बन गई हैं। न्यूयॉर्क स्थित केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि शुक्ला की नियुक्ति को फेडरल रिजर्व सिस्टम के निदेशक मंडल ने मंजूरी दी है। शुक्ला (54) को न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल ने प्रथम उपाध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया है और यह नियुक्ति मार्च 2023 से प्रभाव में आएगी। शुक्ला ने एक बयान में कहा कि वह सम्मानित महसूस कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा, ''इस अहम संस्थान के समर्पित नेतृत्व को समर्थन देने और इसकी महत्वपूर्ण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मैं अपने पूरे अनुभव का उपयोग करूंगी।'' केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जॉन विलियम्स ने कहा कि शुक्ला ऊर्जा से भरी, प्रेरणादायी और बहुत ही प्रभावीशाली हैं जो बैंक में अपना लंबा अनुभव लेकर आ रही हैं। विलियम्स ने कहा कि शुक्ला को प्रौद्योगिकी और नवाचार विधियों का गहन ज्ञान है और वह विविध तथा समावेशी संस्कृति बनाने को लेकर बहुत उत्साही हैं। केंद्रीय बैंक की वेबसाइट पर मौजूद शुक्ला के विवरण में बताया गया है कि उन्हें बीमा उद्योग का करीब 20 वर्ष का अनुभव है और वह नेतृत्व की विभिन्न भूमिकाओं में रही हैं।

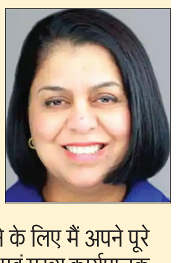

जंग कब खत्म होगी इसका निर्णय यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को करना : रूस

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध भीषण रुप लेता जा रहा है। इस बीच युद्ध खत्म करने को लेकर रूस का बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध को खत्म करना वहां के राष्ट्रपति के हाथ में है। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से होने वाली आलोचना के बावजूद यूक्रेन पर हमले जारी रखने का संकल्प लिया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा (यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर) जेलेंस्की जानते हैं कि यह कब खत्म हो सकता है अगर वह चाहें तब यह कल ही खत्म हो सकता है। क्रेमलिन काफी समय से कहता रहा है कि 10वें महीने में प्रवेश कर चुके युद्ध को खत्म करने के लिए यूक्रेन को रूसी शर्तें माननी होंगी। रूस की मांग है कि यूक्रेन क्रीमिया को उसका (रूस का) हिस्सा माने। रूस ने साल 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर हमला करके उस अपने कब्जे में ले लिया था। इसके अलावा वह कब्जाए हुए अन्य क्षेत्रों को भी मान्यता देने की मांग करता है। इस बीच पुतिन ने सैनिकों से मुलाकात के दौरान कहा हम कोई कदम उठाते हैं तब पूरे ब्रह्मांड में शोर-शराबा बकवासबाजी और चीख-पुकार शुरू हो जाती है। लेकिन यह हमें हमले जारी रखने से नहीं रोक पाएगा। युद्ध को लेकर पुतिन ने कहा कि उनकी सेना यूक्रेन में लंबे समय तक लड़ सकती है। पुतिन ने कहा कि यह कुछ समय और जारी रह सकता है। यह एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है। पुतिन ने कहा कि परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ गया है लेकिन रूस लापरवाही में इसतरह हथियारों का इस्तेमाल कर खतरा नहीं पैदा करेगा।

अल्लाहू अकबर का नारा लगा रही भीड़ के सामने तालिबान ने 27 लोगों पर बरसाए कोड़े एक को सजाए मौत

काबुल । पिछले साल सत्ता में आने के बाद तालिबान ने दुनिया के देशों से मान्यता हासिल करने के लिए अपना उदार चेहरा दुनिया के सामने रखा था लेकिन अब धीरे-धीरे कुख्यात आतंकवादी संगठन का असली चेहरा बेनकाब होने लगा है। गुरुवार को 27 लोग भीड़ के सामने तालिबानी अत्याचार का शिकार हुए। व्यभिचार चोरी मादक पदार्थ और अन्य अपराधों के लिए 27 लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे गए। एक अदालत के अधिकारी ने यह जानकारी दी है। तालिबान ने अगस्त 2021 में काबुल पर कब्जा किया था। संगठन ने देश में शरिया कानून लागू कर दिया था और अब कट्टरपंथी नीतियां अफगानों के गले का फंदा बनती जा रही हैं। अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपीलों पर सुनवाई के बाद कोड़े मारने का आदेश दिया।

रोम में पोप फ्रांसिस ने पयाजा डी स्पेगना का दौरा करने के साथ ही सफेद गुलाव चढ़ाये।

यूक्रेन की दुर्दशा को याद करके फूट-फूट कर रो पड़े पोप फ्रांसिस युद्ध को बताया इंसानियत की हार

इटली। ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने गुरुवार को यूक्रेन में शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान वह बहुत भावुक हो गए और उनकी आंखें छलक उठीं। पोप फूट-फूट कर रोने लगे और उनके लिए आगे बोलना मुश्किल हो गया। मध्य रोम में स्पेनिश स्टेप्स के पास पोप एक प्रार्थना सभा में शामिल हुए। इस दौरान बोलते-बोलते वह झुके और अचानक बहुत भावुक हो गए। रूस और यूक्रेन की जंग अपने 10 महीने पूरे करने की ओर बढ़ रही है। बीते महीनों में मची भारी तबाही ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। भाषण के दौरान यूक्रेनियों का जिक्र करते हुए पोप फ्रांसिस की आवाज कांपने लगी और उन्होंने बोलना बंद कर दिया। उनके सामने मौजूद हजारों लोगों की भीड़ को महसूस हुआ कि पोप भावुक हो गए हैं। भीड़ ने तालियां बजाना शुरू कर दिया और उनसे अपना भाषण पूरा करने का आग्रह किया। करीब 30 सेकेंड तक रुकने के बाद फ्रांसिस ने दोबारा प्रार्थना शुरू की। उन्होंने ईश्वर से यूक्रेनियों के लिए शांति की प्रार्थना की। हालांकि इस दौरान उनकी आवाज कांप रही थी। पोप 8 दिसंबर को स्पैनिश स्टेप्स की वार्षिक यात्रा पर पहुंचे थे। यीशु की मां मैरी को समर्पित इस दिन इटली में राष्ट्रीय अवकाश होता है। यह आयोजन इटली में क्रिसमस की अनौपचारिक शुरुआत का प्रतीक है। गुरुवार को स्पैनिश स्टेप्स के पास मैरी की मूर्ति पर प्रार्थना पढ़ने के बाद पोप ने पत्रकारों और भीड़ में मौजूद लोगों का अभिवादन किया।

रूस छोड़कर भागने वाले हैं पुतिन? क्या है राष्ट्रपति के पलायन से जुड़ा ऑपरेशन Noah's Ark

लंदन। (एजेंसी)। चाहे कितना भी बड़ा तानाशाह क्यों न हो, जब उसके खिलाफ बगावत होती है। जब उसी के मुल्क के लोग उसके खिलाफ में खड़े हो जाते हैं। फिर तो सत्ता क्या देश ही छोड़ने की नौबत आ जाती है। अपनों के विरोध से बचने के लिए दूसरे मुल्क में पनाह लेनी पड़ सकती है। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी कुछ ऐसा हो सकता है। लेकिन पुतिन के ही एक करीबी ने दावा कर दिया है कि रूसी राष्ट्रपति ने क्रेमलिन से एग्जिट का प्लान तैयार कर लिया है। अपने परिवार और करीबियों के साथ पुतिन देश छोड़ सकते हैं। ऐसे में तमाम तरह की बातें होने लगी है कि क्या वाकई में यूक्रेन युद्ध पुतिन के गले की हड्डी बन चुका है। पुतिन पूरे परिवार के साथ आखिर कहां पलायन करने वाले हैं?

राजनीतिक सलाहकार और पुतिन के पूर्व-भाषण लेखक ने एक टेलीग्राम पोस्ट में दावा किया है कि क्रेमलिन ने एक बैकअप योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। जिसे अनाधिकृत रूप से ÷हश्वड्डद्ध%ह्य ह्म्द्म÷ करार दिया गया। गैल्यामोव ने अपनी जानकारी के लिए अनाम अंदरूनी सूत्रों का हवाला दिया। उन्होंने कहा है कि रूस में बदले विरोध के चलते पुतिन साउथ अमेरिका में पनाह ले सकते हैं। गैल्यामोव ने 2010 से पुतिन के लिए काम नहीं किया है और खुद रूस से निर्वासन में रह रहे हैं।

उन्होंने निकासी को अत्यधिक आकस्मिक योजना के रूप में तैयार किया।

गौरतलब है कि 289 दिन पहले पुतिन की ब्रिगेड पूरी तैयारी और प्लानिंग के साथ यूक्रेन के बैटल ग्राउंड में उतरी थी। मकसद यूक्रेन पर कब्जा करना और उसे तबाह करना था। लेकिन ऐसा हो न सका। यूक्रेन से अदने से मुल्क ने रूस का डटकर सामना किया। पुतिन की यही नाकामी उनके लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। पुतिन के पूर्व स्पीच राइटर के दावों ने इन अटकलों को हवा दी है। गैल्यामोव की गिनती किसी जमाने में पुतिन के करीबी में होती थी। उनके दावे अनुसार पुतिन वेनेजुएला को अपना अगला ठिकाना बना सकते हैं।

ट्विटर पर ब्लू टिक के लिए हर महीने 8 की जगह करना होगा 11 डॉलर का भुगतान

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी) । ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने कंपनी को खरीदने के बाद इससे कमाई करने का जोरदार प्लान तैयार किया है। एलन मस्क ने ट्विटर पर ब्लू टिक को लेकर एक बार फिर से सस्पेंस बढ़ा दिया है। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि ट्विटर ब्लू टिक के लिए 8 डॉलर की फीस वसूल सकता है विरोध के बाद उसे फिलहाल कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया है। अब फिर से खबर आ रही है कि ट्विटर आईफोन यूजर्स से ब्लू टिक वेरिफिकेशन के लिए 8 नहीं बल्कि 11 डॉलर की फीस वसूलेगा। खबरों की माने तो ट्विटर आईफोन यूजर्स से ब्लू टिक वेरिफिकेशन के लिए 11 डॉलर की फीस लेने की तैयारी कर रहा है। जो यूजर ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए आईफोन ऐप से पेमेंट करेंगे उनसे 11 डॉलर की फीस ली जाएगी। अगर वहीं यूजर वेबसाइट से इसका पेमेंट करते हैं तो उनके लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन का चार्ज 7.99 डॉलर ही होगा। माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने इससे पहले भी ब्लू टिक के लिए 8 डॉलर चार्ज लेने की बात कही थी लेकिन भारी विरोध के बाद उसे डाल दिया गया। एप्पल के साथ कुछ दिनों से एलन मस्क का विवाद जारी है हालांकि मस्क ने ट्वीट कर इन विवादों के खत्म होने की जानकारी दी और कहा कि टिम कुक के साथ उनकी बातचीत सकारात्मक रही और सभी विवादों को सुलझा लिया गया। दरअसल एलन मस्क ने आरोप लगाया था कि एप्पल अपने प्ले स्टोर से ट्विटर को हटाने की धमकी दे रहा है। ट्विटर के बॉस एलन मस्क माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म से कमाई का प्लान तैयार कर चुके हैं। उन्होंने पहले भी कई बार कहा है कि ट्विटर पर वेरिफाई यूजर्स को हर महीने चार्ज देना होगा। ट्विटर ब्लू प्लान के जरिए ट्विटर अपने साइट से फेक अकाउंट की सफाई की तैयारी कर रहा है। कंपनी ने ब्लू टिक वेरिफाई अकाउंट यूजर्स से 8 डॉलर यानी करीब 657.64 रुपए और आईफोन यूजर्स से 11 डॉलर यानी करीब 904.26 रुपये वसूलेगा। आपको बता दें कि ट्विटर अकेला नहीं है जो आईफोन यूजर्स से अधिक चार्ज वसूलता है।

पिछले कुछ सालों में चीन का रवैया काफी आक्रामक रहा : अर्डर्न

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री के रूप में अपने पिछले पांच के कार्यकाल पर गौर कर जैसिंडा अर्डर्न ने कहा कि इस दौरान क्षेत्र में चीन का रवैया निस्संदेह पहले से अधिक आक्रामक हुआ है। उन्होंने साथ ही सचेत किया कि छोटे प्रशांत देशों के साथ संबंध बनाना दूसरे पर हावी होने की कोशिश करने का खेल नहीं बनना चाहिए। अर्डर्न ने साक्षात्कार में कहा कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नेतृत्व में चीन हाल के वर्षों में पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यदि मैं थोड़ा दूर से क्षेत्र को देखूं तब हमारे क्षेत्र में हमने जो कुछ बदलाव देखे हैं उनमें से एक यह है कि हमने अधिक आक्रामक चीन को देखते हैं।'' उन्होंने कहा आपने कई अलग-अलग मुद्दों और संबंधों पर अधिक मुखर दृष्टिकोण देखा है। इसलिए मेरे कार्यकाल के दौरान निस्संदेह यह बदलाव आया है। चीन ने इस वर्ष प्रशांत क्षेत्र में कुछ साहसिक भू-राजनीतिक कदम उठाए। उसने सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया और फिर सुरक्षा से लेकर मत्स्य पालन तक सभी क्षेत्रों को समेटने वाले व्यापक समझौते पर 10 प्रशांत देशों से हस्ताक्षर कराने का असफल प्रयास किया। इन कदमों ने अमेरिका सहित कुछ प्रशांत देशों और पश्चिमी लोकतंत्रों को बहुत चिंतित किया है लेकिन अर्डर्न ने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि न्यूजीलैंड ने इस साल अपनी पर्याप्त उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। अर्डर्न ने कहा प्रशांत क्षेत्र में हमारे संबंध पारिवारिक हैं क्योंकि हम एक परिवार की तरह हैं हम प्रशांत का हिस्सा हैं।'' उसने कहा कि ये संबंध सामुदायिक स्तर पर बनाए गए हैं। अर्डर्न ने कहा कि हमें अपने संबंधों को लेकर वास्तव में सतर्क रहना होगा कि अन्य प्रशांत देशों के साथ संबंध बनाना दूसरे पर हावी होने की कोशिश नहीं बननी चाहिए।

भारत अमेरिका का सहयोगी नहीं बल्कि एक और महान शक्ति बनकर उभरेगा : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यकाल व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी कर्ट कैंपबेल ने कहा कि भारत अमेरिका का एक सहयोगी नहीं बल्कि एक और महान शक्ति बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध जितनी तेजी से मजबूत एवं गहरे हुए हैं वैसा किसी भी अन्य द्विपक्षीय संबंध के साथ नहीं हुआ। बैठक में भारत के संदर्भ में किए सवाल के जवाब में व्हाइट हाउस के एशिया मामलों के समन्वयक कैंपबेल ने कहा कि उनका मानना है कि 21वीं सदी में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं।

कैंपबेल ने कहा यह एक तथ्य है कि मैंने पिछले 20 साल में अमेरिका और भारत जैसे कोई द्विपक्षीय संबंध नहीं दिखाई दिए जो इतनी तेजी से गहरे एवं मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी क्षमता और इस्तेमाल करने की जरूरत है और प्रौद्योगिकी व अन्य मुद्दों पर एक साथ काम करते हुए लोगों के बीच आपसी संपर्क कायम करने की आवश्यकता है। कैंपबेल ने कहा ''भारत अमेरिका का एक सहयोगी नहीं होगा।

वह एक स्वतंत्र शक्तिशाली देश बनने की इच्छा रखता है और वह एक और महान शक्ति बनकर उभरेगा...'' कैंपबेल ने कहा '' मेरा मानना है कि यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें कुछ महत्वाकांक्षा होनी चाहिए। हमें उन क्षेत्रों पर गौर करना चाहिए जहां हम एक साथ काम कर सकते हैं चाहे वह अंतरिक्ष हो शिक्षा हो जलवायु हो या प्रौद्योगिकी। हमें इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

'डेली मेल' ने भ्रष्टाचार के झूठे आरोप के लिए प्रधानमंत्री शहबाज से मांगी माफी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक प्रमुख ब्रिटिश प्रकाशन और समाचार वेबसाइट ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से 2019 में प्रकाशित एक लेख में 'त्रुटि' के लिए माफी मांगी है, जिसमें उसने प्रधानमंत्री पर 'ब्रिटिश विदेश सहायता धनराशि चुराने' का आरोप लगाया था। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ब्रिटिश प्रकाशन 'द मेल ऑन संडे' और समाचार साइट 'मेल ऑनलाइन' ने बृहस्पतिवार को शहबाज से माफी मांगी।

खोजी पत्रकार डेविड रोज द्वारा लिखित उक्त समाचार को अब प्रकाशन की वेबसाइट और अन्य मंचों से हटा दिया गया है। 'डॉन' अखबार ने बताया कि 14 जुलाई, 2019 को प्रकाशित लेख में दावा किया गया था कि शहबाज ने 2005 के भूकंप के बाद लोगों के पुनर्वास के लिए ब्रिटेन के डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीएफआईडी) द्वारा प्रदान किए गए धन का गबन किया था, जब वह पंजाब के मुख्यमंत्री थे।

चीन की अंतरिक्ष गतिविधियों पर नजर रख रहा अमेरिका

बीजिंग। (एजेंसी)। पृथ्वी की निचली कक्षा में तेजी से इकट्ठे होते मलबे के बीच अमेरिका चीन की उन गतिविधियों पर करीबी नजर रख रहा है, जो अंतरिक्ष में अमेरिकी संपत्ति को संभावित रूप से खतरे में डाल सकती हैं। अंतरिक्ष में अमेरिका के सैन्य अभियान के प्रमुख ने शुक्रवार को यह बात कही। यूएस स्पेस कमांड आर्मी के कमांडर जनरल जेम्स डिकिंसन ने संयुक्त राष्ट्र में उस प्रस्ताव के भारी मतों से पारित होने का स्वागत किया, जिसमें यह प्रावधान किया गया है कि देश सीधी उड़ान भरने वाली उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण नहीं करेंगे, जो बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष मलबा पैदा कर उपग्रहों और अंतरिक्ष स्टेशन के अस्तित्व को खतरे में डालती हैं।

जिन चार देशों ने इस तरह की उपग्रह रोधी प्रणाली का परीक्षण किया है, उनमें से सिर्फ अमेरिका ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। चीन और रूस ने जहां प्रस्ताव का विरोध किया, वहीं भारत मतदान से दूर रहा। एशिया के संवाददाताओं से टेलीफोन पर हुई बातचीत में जनरल डिकिंसन ने कहा, ÷हम अंतरिक्ष में मौजूद मलबे को बढ़ाना जारी नहीं रख सकते। ज्यादातर मलबा पृथ्वी की अहम निचली कक्षा में मौजूद है, जो बहुत भरा हुआ और प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष का केंद्र बन गया है।÷ उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में वस्तुओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है और धातु के छोटे टुकड़े भी खतरा पैदा कर सकते हैं।

डिकिंसन ने बताया कि अमेरिकी स्पेस कमांड पृथ्वी की कक्षा के पास अभी 48 हजार से अधिक वस्तुओं की निगरानी कर रहा है, जिनमें उपग्रह, दूरबीन, अंतरिक्ष स्टेशन और हर आकार का मलबा शामिल है। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले ऐसी वस्तुओं की संख्या 25 हजार के आसपास थी। चीन 2003 में अमेरिका और पूर्व सोवियत संघ के बाद अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला दुनिया का तीसरा देश बना था। तब से उसका मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम काफी तेजी से बढ़ा है। 2007 में चीन को अंतरिक्ष में अपने एक निष्क्रिय उपग्रह को उड़ाने के लिए एक मिसाइल का अघोषित परीक्षण करने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

इस परीक्षण के कारण अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर मलबा फैल गया था, जो अभी भी खतरे का सबब बना हुआ है। डिकिंसन ने कहा, 'बीजिंग को लगता है कि अंतरिक्ष न केवल उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि सैन्य क्षेत्र के लिए भी अहम कारक है। ऐसे में जब वह अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं में लगातार इजाफा कर रहा है, तब हम उसकी गतिविधियों पर बेहद करीबी नजर रख रहे हैं।' ताइवान, दक्षिण चीन सागर और व्यापार एवं तकनीक के क्षेत्र में

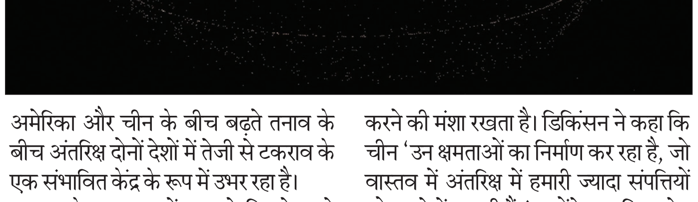

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच अंतरिक्ष दोनों देशों में तेजी से टकराव के एक संभावित केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इसके अलावा, पेंटागन ने पिछले हफ्ते वार्षिक चीन सुरक्षा रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें आगाह किया गया था कि वर्ष 2035 तक बीजिंग के पास 1,500 परमाणु हथियार हो सकते हैं और उसने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह इन हथियारों का किस रूप में इस्तेमाल करने की मंशा रखता है। डिकिंसन ने कहा कि चीन 'उन क्षमताओं का निर्माण कर रहा है, जो वास्तव में अंतरिक्ष में हमारी ज्यादा संपत्तियों को खतरे में डालती हैं।' उन्होंने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध ने भी दिखाया है कि अंतरिक्ष 'टकराव का केंद्र है, जिसकी रक्षा किया जाना जरूरी है। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसे यूएस स्पेस कमांड काफी गंभीरता से ले रहा है।

मनोज सिन्हा बोले- आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं हो सकता, इसके आकाओं को अलग-थलग करने का वक्त आ गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक बार फिर से आतंकवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पड़ोसी मुल्क को लेकर भी एक संदेश दे दिया है। दरअसल, जम्मू के कार्यक्रम में मनोज सिन्हा शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को लेकर अपनी बात रखें। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने साफ तौर पर कहा कि दुनिया में आतंकवाद अच्छा या बुरा नहीं हो सकता। यह पूरी मानव जाति के लिए दुश्मन है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहा कि जो देश आतंकवाद को स्टेट पॉलिसी के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें अलग-थलग करने का वक्त आ गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब आतंकवाद को खत्म करने का वक्त आ गया है।

जम्मू में एलजी मनोज सिन्हा ने जम्मू में आयोजित डोगरा सदर सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज में हमारी अलग-अलग समस्याएँ और चुनौतियाँ हैं। समाधान लोगों के बीच प्यार और भाईचारे में है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'एक दुनिया, एक दिल, एक मानवता' का विचार आज और कल की चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में विकास के लिए पहले शांति स्थापित होनी चाहिए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि कुछ देश आतंकवाद और नार्को-आतंकवाद को राज्य की नीति के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उन्हें आइसोलेट करना होगा।

एलजी ने इस बात को भी कहा कि दुनिया में कहीं भी अच्छा आतंकवाद और बुरा आतंकवाद नहीं हो सकता। आतंकवाद मानव जाति का सबसे बड़ा दुश्मन है। इसे समाप्त करने का समय आ गया है। आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर में 370 हटाने के बाद आतंकवाद पर चोट लगातार जारी है। हालांकि, यह बात भी सत्य है कि कश्मीर में लक्षित हमले के जरिए कई बेगुनाह लोगों को आतंकवादियों की ओर से निशाना बनाया गया है। वहीं, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा था कि इस साल जम्मू कश्मीर में तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 14 लोग मारे गए हैं।

पीएम मोदी के मोरबी दौरे को लेकर झूठी खबर ट्वीट करने पर साकेत गोखले दोबारा गिरफ्तार

मोरबी। मोरबी ब्रिज दुर्घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाने की झूठी खबर करने पर मोरबी पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दो लोगों में एक हैं टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले और दूसरे दक्ष पटेल। मोरबी प्रांत अधिकारी डीए झाला की शिकायत के आधार पर मोरबी शहर बी डिवीजन पुलिस थाने में यह मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि पीएम मोदी के मोरबी दौरे पर करोड़ों का खर्च करने का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले के खिलाफ पहले अहमदाबाद साइबर ने मामला दर्ज किया था और उन्हें जयपुर एयरपोर्ट से उस समय गिरफ्तार कर लिया था जब वह दिल्ली से वहां पहुंचे थे। इस मामले में बीते दिन साकेत गोखले को जमानत मिल गई थी। लेकिन कुछ ही घंटों बाद साकेत गोखले को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल मोरबी प्रांत अधिकारी डीए झाला ने टीएमसी प्रवक्ता साकेत गोखले और दक्ष पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें कहा गया कि 30 नवंबर को साकेत गोखले ने चुनाव आचार संहिता की समयावधि के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ब्रिज दुर्घटना के बाद मोरबी दौरे को लेकर झूठी खबर ट्वीट कर लोगों को मोदी के प्रति उकसाने और तिरस्कार की भावना पैदा करने का प्रयास किया था। प्रांत अधिकारी की शिकायत पर मोरबी सिटी बी डिवीजन पुलिस ने साकेत गोखले के खिलाफ जन प्रतिनिधित्व एक्ट 1951 के तहत कलम धारा 125 के मुताबिक मामला दर्ज किया था। वहीं दक्ष पटेल नाम के एक अन्य व्यक्ति ने भी एक समाचार क्लिपिंग पोस्ट की थी। जिसमें कहा गया था कि 1 नवंबर को मोदी की मोरबी यात्रा पर 3 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। अधिकारियों का कहना है पटेल या तो गुमराह कर रहे थे या किसी ने प्रॉक्सी ट्विटर अकाउंट बनाने के लिए नाम का इस्तेमाल किया था। कोठारी ने कहा कि उन्होंने एक गुजराती अखबार से पुष्टि की और पाया कि ऐसी कोई खबर प्रकाशित नहीं हुई थी। साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने जिला कलेक्टर कार्यालय में जाकर पता किया और पाया कि ऐसा कोई आरटीआई आवेदन दाखिल ही नहीं किया गया था।

श्रद्धा हत्याकांड में आफताब को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ी

नई दिल्ली। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड को उजागर हुए लगभग एक महीने का समय हो गया है मगर अब तक पुलिस मामले को पूरी तरह से सुलझा नहीं पाई है। पुलिस को अब भी कई सवालों के जवाबों का इंतजार है। इस मामले में आए दिन अलग अलग हैरतअंगेज खुलासे होते हैं जिससे इस की हर तरफ चर्चा होती रहती है। जांच के बीच नौ दिसंबर को आफताब को साकेत कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। पेशी के दौरान महरौली थाना पुलिस के अधिकारी भी कोर्ट रूम में थे। पेशी के दौरान पुलिस ने जानकारी दी कि श्रद्धा हत्याकांड की जांच पुलिस की टीम कर रही है। पुलिस ने मांग की थी कि आरोपी की न्यायिक हिरासत को बढ़ाना चाहिए, जिसके बाद कोर्ट ने पुलिस की मांग को स्वीकार किया है। इससे पहले आरोपी आफताब को 26 नवंबर को 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, जिसे अब 14 दिनों के लिए भी बढ़ा दिया गया है। न्यायिक हिरासत में रहने के दौरान ही पुलिस ने आरोपी आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट और नारको टेस्ट किया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस को अभी डीएनए और अन्य जांच रिपोर्टों का इंतजार है। इस रिपोर्ट के आने के बाद पुलिस की जांच को अलग राह और मजबूती मिल सकेगी। माना जा रहा है कि रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आ सकता है। इस मामले में नए खुलासे भी हो सकते है।

पॉलीग्राफ और नार्को में कबूल चुका है आफताब

श्रद्धा वालकर हत्या मामले में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने अपनी 'पॉलीग्राफ' व 'नार्को' जांच और पुलिस पूछताछ के दौरान समान जवाब दिए हैं। नार्को जांच के दौरान, पूनावाला ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने वालकर के शव के टुकड़े करने के लिए एक छुरे का भी इस्तेमाल किया था और उसने आरी को गुड़गांव में अपने दफ्तर के पास झाड़ियों में कहीं फेंक दिया था। पूनावाला ने बताया कि उसने श्रद्धा का सिर महरौली के जंगली इलाकों में और मोबाइल फोन मुंबई में समुद्र में फेंक दिया। उसने अपनी 'लिव-इन-पार्टनर' की हत्या की बात स्वीकार की है और यह भी कबूल किया कि दिल्ली के जंगल वाले इलाकों में विभिन्न स्थानों पर उसके शव के टुकड़े फेंके थे।

बेटियों से छेड़खानी पर सीएम योगी का बड़ा बयान, कहा- ढेर कर देगी पुलिस

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज कानपुर में निकाय चुनाव की आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले शहर को 387.59 करोड़ की 272 परियोजनाओं का तोहफा दिया। इस दौरान सीएम योगी ने बेटियों से छेड़खानी के मामले पर बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि बेटियों को छेड़ने वालों को अब पुलिस ढेर कर देगी। इसके साथ ही अपराधियों को भी सख्त संदेश दिया है। इसके अलावा सीएम योगी ने कानपुर में परियोजनाओं की सौगात देते हुए कहा कि कानपुर के सीसामऊ नाला से कभी 14 करोड़ लीटर सीवर मां गंगा में उड़ेला जाता था, आज उसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। उस 'सीवर प्वॉइंट' को 'सेल्फी प्वॉइंट' में बदलकर हमने मां गंगा की अविरलता व निर्मलता को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं अपनी धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के लिए प्रख्यात कानपुर की धरा को नमन करता हूं। आज यहां 388 करोड़ लागत की 272 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास सम्पन्न हो रहा है। इस अवसर पर कानपुर के सभी नागरिकों को बधाई देता हूं।

खत्म नहीं हो रही उद्धव की मुश्किलें, पहले पार्टी टूटी और अब आय से अधिक संपत्ति केस में जांच शुरू, कोर्ट भी पहुंचा मामला

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की कथित आय से अधिक संपत्ति के बारे में एक शिकायत की प्रारंभिक जांच (पीई) शुरू की है। न्यायमूर्ति डीएस ठाकुर और वाल्मीकि मेनेजेस ने इससे पहले दिन में एक जनहित याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखने के बाद यह बयान दिया था, जिसमें ठाकरे की संपत्ति की सीबीआई और ईडी जांच की मांग की गई थी। लोक अभियोजक अरुणा पई ने उच्च न्यायालय को सूचित करते हुए बताया कि ईओडब्ल्यू द्वारा प्रारंभिक जांच पहले ही शुरू कर दी गई है। उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के खिलाफ एक सॉफ्ट स्किल सलाहकार गौरी भिडे ने जनहित याचिका दायर की थी कि कैसे ठाकरे परिवार ने आय के आधिकारिक स्रोत के बिना भारी संपत्ति अर्जित की थी। भिडे ने संक्षेप में तर्क दिया कि 11 जुलाई को पुलिस आयुक्त को उसकी शिकायत को ईओडब्ल्यू को भेजे जाने के बाद, कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। उद्धव और बेटे आदित्य की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अस्पी चिनॉय ने कहा कि भिडे की 'पूरी याचिका भौतिक तथ्य से परे है और विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत अनुमान पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह मानते हुए कि पुलिस ने उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है, वह पुलिस को निर्देश देने के लिए एक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक निजी शिकायत दर्ज करने की सामान्य प्रक्रिया से गुजर सकती है। उसने केवल यह कहा कि ठाकरे द्वारा संचालित 'मार्मिक' पत्रिका और 'सामना' अखबार का 2020-2021 के महामारी वर्ष के दौरान 45 करोड़ रुपये का कारोबार और 11.5 करोड़ रुपये का लाभ हुआ और अन्य को नहीं। चिनॉय ने पूछा कि इससे, भ्रष्टाचार या संपत्ति के विचलन का क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है? केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच का निर्देश देने के लिए उच्च न्यायालय के असाधारण अधिकार क्षेत्र को लागू करने के लिए भिडे की याचिका में कुछ भी नहीं। चिनॉय ने कहा कि याचिका ठाकरे के खिलाफ थी, 'जिनमें से कोई भी सत्ता में नहीं है' और 'जांच को प्रभावित करने में सक्षम नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं जिस सज्जन (उद्धव) का प्रतिनिधित्व करता हूं, वह पिछले छह महीनों से सत्ता में नहीं है... यह ऐसा मामला नहीं है जहां हम (ठाकरे) जांच को रोकने और बाधित करने के लिए प्रभावित कर सकते हैं।'

लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने की तैयारी कर रही महाराष्ट्र सरकार? देवेंद्र फडणवीस ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित श्रद्धा मर्डर केस को लेकर दिल्ली पुलिस लगातार जांच कर रही है। श्रद्धा के पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। इस केस को लव जिहाद से जोड़ा जा रहा है। आज श्रद्धा वालकर के पिता ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस मीडिया के सामने आए। उनसे सवाल पूछा गया कि क्या महाराष्ट्र सरकार लव जिहाद पर कोई कानून लाने की तैयारी कर रही है? इस पर उन्होंने साफ तौर पर कहा कि फिलहाल हम लव जिहाद के कानून पर स्टडी कर रहे हैं। इसी के आधार पर आगे निर्णय लिया जाएगा।

अपने बयान में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, लेकिन हम इस संबंध में विभिन्न राज्यों द्वारा बनाए गए कानूनों का अध्ययन करेंगे। इसके आधार पर आगे का निर्णय लिया जाएगा। वहीं, विकास वालकर के पिता विकास वालकर ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने हमें आश्वासन दिया कि हमें न्याय मिलेगा। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी हमें इसका आश्वासन दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरी बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। वसई पुलिस की वजह से मुझे कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा, अगर उन्होंने मेरी मदद की होती, तो मेरी बेटी जिंदा होती।

विकास ने कहा कि मैं आफताब पूनावाला के लिए भी इसी तरह के सबक की उम्मीद करता हूं जिस तरह उन्होंने मेरी बेटी की हत्या की। आफताब के परिजनों, रिश्तेदारों व घटना में शामिल अन्य सभी के खिलाफ जांच हो। मैं आफताब पूनावाला के लिए भी इसी तरह के सबक की उम्मीद करता हूं जिस तरह उन्होंने मेरी बेटी की हत्या की। उसे फांसी होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आवेदनों पर कुछ प्रतिबंध होने चाहिए। 18 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जाना चाहिए। जो मेरे साथ हुआ वो किसी और के साथ न हो।

जी 20 की अध्यक्षता भारत को मिलना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं : भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जी20 की अध्यक्षता भारत को मिलना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और दुनिया को भारत की जरूरत है। उन्होंने यहां आरएसएस मुख्यालय में 'संघ शिक्षा वर्ग' या तृतीय वर्ष के अधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में कहा दुनिया को अब भारत की जरूरत है। उन्होंने कहा जी20 की अध्यक्षता भारत को मिलना कोई सामान्य बात नहीं है।

लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है हमें अभी लंबा सफर तय करना है और समूचे समाज को भारत को 'विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करना है।'' उन्होंने कहा कि हिंदुत्व उपासना की एकल पद्धति नहीं है। उन्होंने कहा ''हम विविधता के साथ रह सकते हैं सभी विविधताएं एक साथ रह सकती हैं क्योंकि विविधताएं उसी एकता की विविध अभिव्यक्तियां हैं। जो इसे समझता हो वहीं हिन्दू है। भागवत ने आगाह किया कि आज भी ''कुछ क्रूर शक्तियां और उनके एजेंट हैं जो यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि भारत टूट जाए और प्रगति न करे।

निर्वाचन आयोग ने टीआरएस के नये नाम को मंजूरी दी, टीआरएस का आधिकारिक नाम अब बीआरएस हुआ

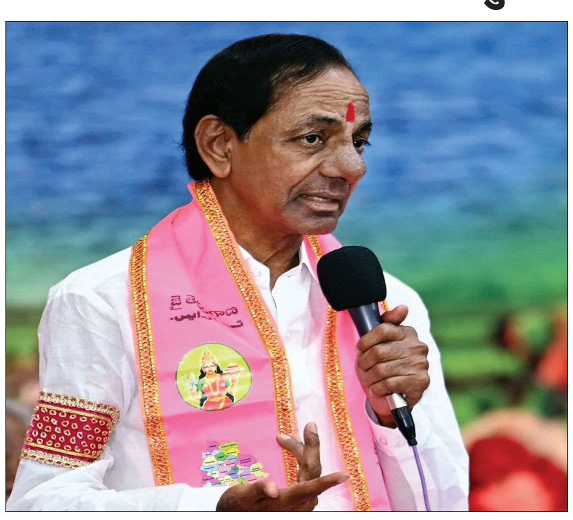

हैदराबाद (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजनीति में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का औपचारिक आगाज करते हुए पार्टी प्रमुख और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का ध्वज फहराया। निर्वाचन आयोग ने टीआरएस के नये नाम बीआरएस को मंजूरी दे दी है। राव ने यहां पार्टी मुख्यालय पर बीआरएस का ध्वज फहराया। इसके पहले उन्होंने टीआरएस का बीआरएस के रूप में नाम परिवर्तित करने से संबंधित दस्तावेज पर दस्तखत किये। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी, लोकप्रिय अभिनेता प्रकाश राज और कई बीआरएस नेता इस मौके पर मौजूद थे।

राव को केसीआर के रूप में भी जाना जाता है। राव को निर्वाचन आयोग की ओर से बृहस्पतिवार को जानकारी मिली कि टीआरएस के नये नाम बीआरएस को स्वीकृति दे दी गई है। तेलंगाना के बाहर चुनावी राजनीति में दखल बढ़ाने के लिए टीआरएस ने अक्टूबर में अपना नाम बदलकर बीआरएस कर लिया था। राव ने टीआरएस की स्थापना आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य के गठन की मांग को लेकर संघर्ष के लिए वर्ष 2001 में की थी।

तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान को लेकर अलर्ट 12 जिलों में स्कूल-कालेज बंद

-एनडीआरएफ-राज्य बल की 12 टीमें तैनात

चेन्नई (एजेंसी)। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान मैंडूस के प्रभाव के चलते तमिलनाडु में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य बल के लगभग 400 कर्मियों वाली 12 टीमों को कावेरी डेल्टा क्षेत्र में नागपट्टिनम और तंजावुर चेन्नई और इसके तीन पड़ोसी जिलों और कुड्डालोर सहित 10 जिलों में तैनात किया गया है। वहीं कई जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद किए गए हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान के मद्देनजर विभिन्न जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात मंडूस के 9 दिसंबर की आधी रात को आंध्र प्रदेश में पुडुचेरी और श्रीहरिकोटा के बीच के तट को पार करने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश में इस चेतावनी के बाद अधिकारियों की बैठक हुई है। जिसमें कई निर्देश चक्रवात को लेकर दिए गए हैं।

चेन्नई तिरुवल्लुर रानीपेट वेल्लोर तिरुपत्तूर तिरुवन्नामलाई कल्लकुरिची और कुड्डालोर में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं धर्मपुरी सलेम नामक्कल करूर तिरुचिरापल्ली पेरम्बलुर अरियालुर माइलादुथुराई नागपट्टिनम तिरुवरुर तंजावुर पुदुक्कोटई शिवगंगा मदुरै और डिंडीगुल में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, पार्टी के दो पार्षद 'आप' में हुए शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में सरकार बनाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस को दिल्ली में बड़ा झटका लगा है। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के दो पार्षद आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। आपको बता दें कि हाल में ही दिल्ली नगर निगम चुनाव के नतीजे आए थे। 250 नगर निगम सीटों वाली दिल्ली में कांग्रेस को 9 सीटें हासिल हुई थी। इन्हीं 9 पार्षदों में से 2 पार्षद आवा आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले पार्षदों में मुस्तफाबाद से पार्षद सबिला बेगम और बृजपुरी से पार्षद नाजिया खातून शामिल हैं। इस बात की जानकारी आम आदमी पार्टी के नगर निगम प्रभारी दुर्गेश पाठक ने दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दो पार्षदों आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मेयर चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को बड़ी मजबूती मिली है।

दरअसल, दिल्ली नगर निगम में मेयर के चुनाव को लेकर अब राजनीति शुरू हुई है। भले ही आम आदमी पार्टी को बहुमत हासिल हुई है। लेकिन कहीं ना कहीं भाजपा मेयर पद को लेकर पार्टी की मुश्किलें बढ़ा सकती है। इसके अलावा कांग्रेस के कुछ और नेता भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए जिसमें अली मेहंदी का भी नाम शामिल है। वह कांग्रेस के पूर्व विधायक अली हसन मेहंदी के बेटे हैं। वह दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष और अल्पसंख्यक विभाग के भी चेयरमैन रह चुके हैं। दुर्गेश पाठक ने बताया कि भाजपा ने पिछले 15 सालों में एमसीडी में कोई काम नहीं किया है। उसका जवाब दिल्ली की जनता ने दे दिया है। भाजपा एमसीडी से बाहर हो गई है। आपको बता दें कि दिल्ली नगर निगम चुनाव के नतीजे 7 दिसंबर को घोषित किए गए थे। जबकि 4 दिसंबर को 250 सीटों पर मतदान हुआ था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी को 250 में से 134 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वहीं भाजपा के खाते में 104 सीटें गई थी। कांग्रेस को 9 सीटें मिली थी जिसमें से 2 आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। इसके अलावा 3 पर अन्य की जीत हुई थी।

कश्मीरी पंडितों के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सीट आरक्षित करने की माँग, सुशील मोदी ने संसद में उठाया मुद्दा

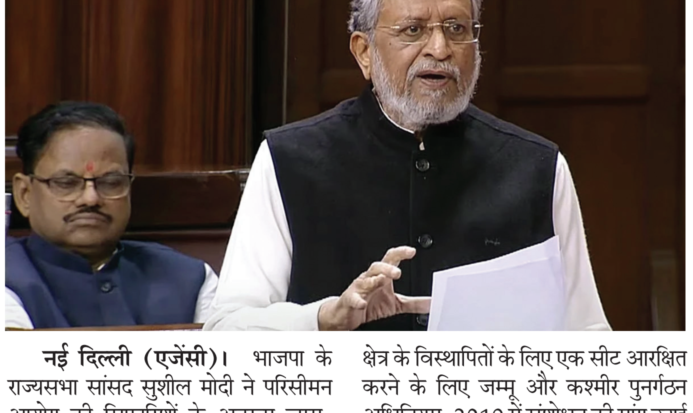

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने परिसीमन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कश्मीरी पंडितों के वास्ते दो सीटें और पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र के विस्थापितों के लिए एक सीट आरक्षित करने के लिए जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन की मांग उठाई है। शून्यकाल के तहत उच्च सदन में यह मामला उठाते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन कर आरक्षण के प्रावधानों को लागू करें ताकि जब भी वहां विधानसभा का गठन हो, कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों को इसका लाभ मिल सके।

सुशील मोदी ने कहा कि 1989 में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के कारण कश्मीर से लाखों कश्मीरी हिंदुओं को, खासकर कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि नरसंहार और बलात्कार के दौर से गुजरने के बाद वह तीन दशक से ज्यादा समय से देश के अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए हैं। मोदी ने कहा कि परिसीमन आयोग ने ऐसे कश्मीरी पंडितों के लिए राज्य विधानसभा में कम से कम दो सीटों का प्रावधान किए जाने की सिफारिश की है। साथ ही आयोग ने कहा कि उन्हें वैसे ही अधिकार दिए जाएं जो पुडुचेरी विधानसभा में मनोनीत होने वाले सदस्यों को दिया गया है। भाजपा सदस्य ने कहा कि परिसीमन आयोग ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के विस्थापितों के लिए भी एक सीट आरक्षित करने का प्रावधान किए जाने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा, ''मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करूंगा की परिसीमन आयोग ने कश्मीरी पंडितों और विस्थापितों को विधानसभा में मनोनीत करने की जो सिफारिश की है, वह उसे लागू करने का प्रयास करें।''

जहां तक कश्मीरी पंडितों पर हो रहे अत्याचारों की बात है तो अभी एक दिन पहले यानि संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही सरकार ने संसद को जानकारी दी थी कि इस साल जम्मू-कश्मीर में तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के कुल 14 लोग मारे गए हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा था कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित क्षेत्र में जनवरी, 2022 से 30 नवम्बर, 2022 तक तीन कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदायों के 14 लोग मारे गए हैं।'' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 123 आतंकवादी घटनाओं में 180 आतंकवादी, 31 सुरक्षाकर्मी और 31 नागरिक मारे गए हैं।

गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सरकार की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस (कतई बर्दाश्त नहीं करने) की नीति रही है और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है तथा आतंकवादी हमलों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी हमलों की संख्या वर्ष 2018 में 417 थी जो 2021 में कम होकर 229 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया खबरों के अनुसार कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति ने अपने लोगों की सुरक्षा चिंताओं का मुददा उठाया है और सरकार ने अल्पसंख्यकों के जीवन की रक्षा के लिए विभिन्न उपाय किए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

7 साल की मासूम बच्ची की हत्या कर बैग में छिपाया था शव,निस्तारण से पहले ही पकड़ा गया नराधम

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के कतारगाम इलाके से दो दिन पहले एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई थी। सुबह चौकबाजार थाने में सात वर्षीय बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराने के बाद उसी बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसी बच्ची की लाश पड़ोसी के घर में मिली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की तो खुलासा हुआ कि वह पहले भी वाहन चोरी के अपराध में शामिल रहा है।

वह झांसा देकर युवती को ले गया पड़ोस में रहने वाला नराधम 7 साल की बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ रेप किया और रेप के बाद उसकी हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्या के बाद बच्ची के शव को घर के एक छोटे से बिस्तर में छिपाकर भाग गया। हालांकि सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को चंद घंटों में ही दबोच लिया है। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और वाहन चोरी के मामले में सूरत के अलग-अलग थानों में 14 बार गिरफ्तार हो चुका है।

पकड़ा गया मासूम का हत्यारा सूरत के कतारगाम के वाडीनाथ चौक से 7 दिसंबर को एक 7 वर्षीय बच्ची लापता हो गई थी।

परिजनों ने चौकबाजार थाने में तहरीर दी है। पुलिस को घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले एक युवक के घर में युवती की लाश मिली। घर

के छोटे से बिस्तर में बच्ची का शव मिलने से हड़कंप मच गया। इस मामले में पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले युवकों की तलाश शुरू की। इसी बीच सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी मुकेश उर्फ ??मुको चिमनलाल पांचाल को पंडोल इलाके से दबोच लिया।

युवती को मारी गई थी
पुलिस ने आरोपी से पूछताछ में बताया कि दो दिन पहले नराधम ने पैसे का झांसा देकर बच्ची को अपने कमरे में बुलाया और बाद में उसके साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। बाद में उसने शव को अपने ही घर में एक छोटे से बिस्तर में छिपा दिया और घर में ताला लगा दिया।

शव को ठिकाने लगाने से पहले ही बरामद कर लिया गया नराधम युवक के पकड़े जाने के बाद पुलिस-जांच में पता चला कि आरोपी ने लड़की के शव को ठिकाने लगाने का भी फैसला कर लिया था। रेप के बाद उसने सात साल की मासूम बच्ची की हत्या कर दी और उसे अपने घर में छुपाना पड़ा, क्योंकि दिन में बच्ची के शव को ठिकाने लगाना संभव नहीं था, इसलिए उसने बच्ची की लाश को बैग में पैक कर एक छोटे से बिस्तर में छुपा दिया और घर में ताला लगाकर निकल गया।

नराधम युवक युवती के शव को ठिकाने लगाने की योजना बना रहा था, ताकि देर रात किसी को पता न चले, लेकिन इससे पहले ही देर शाम पुलिस को शक हो गया और नराधम युवक के घर का ताला तोड़कर तलाशी ली गई। इसी बीच बच्ची का शव मिला।

गिरफ्तार आरोपी वाहन चोरी का आदतन अपराधी है पुलिस जांच में आरोपी के आदतन अपराधी होने की बात सामने आई है।

मूल रूप से पाटन जिले का रहने वाला 40 वर्षीय नराधम आरोपी मुकेश पंचाल कतारगाम की एक इमारत में अकेला रहता था, जो सूरत के चौकबाजार थाने की सीमा में आता है। सूरत में रोजगार करने और व्यापार करने के लिए सूरत आया था। वह सूरत में छोटे-मोटे काम करने के साथ-साथ शहर से वाहन चोरी करने की आपराधिक गतिविधि में भी शामिल था। नराधम युवक की गिरफ्तारी के बाद सघन पूछताछ और जांच के बाद पुलिस ने पाया कि उसे वाहन चोरी के अपराध में सूरत के अलग-अलग थानों में 14 बार गिरफ्तार किया जा चुका है। उमरा, महिधरपुरा, कतारगाम, सलाबतपुरा और चौकबाजार थाना क्षेत्र से 14 वाहनों की चोरी हुई है। अब ये वाहन चोर हैवस के शिकार की तलाश में था और छोटी बच्ची को अपना शिकार बनाकर मार डाला।

फांसी की सजा की मांग को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष
इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भी काफी आक्रोश था। कल एक तरफ वोटों की गिनती चल रही थी तो दूसरी तरफ कतारगाम के सिंगनपुर इलाके में लोग सड़क पर उतर आए और इंसाफ की मांग करने लगे। बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने इकट्ठा होकर आरोपियों को जल्द आरोपी को पकडकर फांसी दिए जाने की मांग की। स्थानीय लोगों ने विभिन्न बैनर और नारे लगाए और आरोपियों को फांसी देने की मांग की।

भाजपा प्रत्याशी ने जीत का जश्न तक नहीं मनाया
कतारगाम के सिंगनपुर इलाके में विधानसभा मतगणना से एक दिन पहले सात साल की बच्ची के साथ हुई इस घटना ने खूब सुर्खियां बटोरी। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश था। इस बीच, दूसरे दिन हुई मतगणना में कतारगाम विधानसभा सीट से एक बार फिर भाजपा प्रत्याशी विनू मोरडीया ने जीत दर्ज की। एक तरफ बीजेपी की जीत की खुशी में पूरे गुजरात में विजय पर्व मनाया जा रहा था। दूसरी ओर, विनू मोरडीया ने घोषणा की कि वह अपने क्षेत्र में हुई इस लड़की की घटना पर अपनी जीत का जश्न नहीं मनाएंगे।

विनू मोरडीया ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की और कहा कि कतारगाम क्षेत्र में एक मासूम बच्ची की मौत से मैं दुखी हूं, इसलिए मैं कतारगाम के सभी भाइयों और बहनों और कार्यकर्ताओं से अनुरोध करता हूं कि इस दुख की घड़ी में हम जीत का जश्न नहीं मनाएं।

सचिन जीआईडीसी स्थित कबाड़ के गोदाम में देर रात आग लग गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित नवजीवन होटल के पास

कबाड़ के गोदाम में आधी रात को आग लग गई। इसे लेकर स्थानिय लोग भयभीत हो गए हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

सचिन जीआईडीसी के स्क्रैप गोदाम में लगी आग
सूरत में जहां आए दिन आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं सूरत में एक और घटना सामने आई है। जिसमें कबाड़ के गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, सूरत के सचिन जीआईडीसी इलाके में नवजीवन होटल के पास कबाड़ का गोदाम है। इस कबाड़ के गोदाम में आधी रात को अचानक आग लग गई। जिससे वहां अफरातफरी मच गई।

सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ आग की सूचना दमकल विभाग को मिलने के बाद दमकल विभाग का काफिला मौके पर पहुंचा। आग बुझाने के लिए दमकल की पांच से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। देर रात दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

सूरत : सूचना केंद्र के दो कर्मचारी 2.70 लाख की रिश्वत लेते पकड़े गये!

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राज्य सरकार द्वारा समाचार पत्र को सरकारी विज्ञापनों के पैनल में शामिल करने प्रकिया में सहयोग के एवज में रिश्वत लेते हुए सूरत सूचना केंद्र के दो कर्मचारी सहायक निदेशक सूचना वर्ग-2 व कनिष्ठ लिपिक वर्ग-3 रंगे हाथों पकड़े गये हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर दोनों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार सूरत में एक दैनिक समाचार पत्र में राज्य सरकार के विज्ञापन प्रकाशित कराने विभाग के मान्य अखबारों की पैनल में नाम शामिल करवाने परमार कवासिंगभाई जलाभाई [सहायक सूचना निदेशक वर्ग-2] और कनिष्ठ लिपिक वर्ग-3 सतीशभाई दयाराम जादव ने 5.40 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। इसकी आधी राशि 2.70 लाख रुपये पहली किश्त के रूप में लेते वक्त दोनों पकड़े गये।

दोनों सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ एसीबी में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

इसी पर कार्रवाई करते हुए एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर बहुमाली बिल्डींग नानपुरा के बाहर स्वास्तिक जेरॉक्स की दुकान से दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। इस मामले में एसीबी की टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर मामले की गहनता से जांच की है।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने एमटीबी कॉलेज के प्राचार्य कार्यालय में कूड़ा फेंका, कूड़ा फेंकने वाले छात्रों में रोष

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

एबीवीपी ने सूरत के अठवालाइन्स में एमटीबी कॉलेज के प्राचार्य के कार्यालय में कूड़ा फेंक कर एक उग्र विरोध प्रदर्शन किया। बार-बार अभ्यावेदन के बावजूद स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लिए जाने को लेकर छात्रों में रोष है।

प्राचार्य की कुर्सी पर कूड़ा डाला गया
एबीवीपी के छात्रों ने एमटीबी कॉलेज के प्राचार्य के कार्यालय में जाकर भारत माता की जय के नारे लगाए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने कूड़ा एकत्र कर प्राचार्य के कार्यालय में प्रवेश किया और कूड़ा प्राचार्य के केबिन पर नहीं, बल्कि उनकी कुर्सी और टेबल पर फेंका। कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय में भी नारेबाजी के साथ विरोध भी किया गया। उसके बाद कॉलेज के प्राचार्य को अब कूड़ा डंप न कर वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए पेश किया गया है।

छात्र संघ ने अल्टीमेटम दिया एवीबीपी के शहर मंत्री मनोज जैनन ने कहा कि पिछले लंबे समय से एमटीबी कॉलेज प्रशासन एनएसएस और एनसीसी के कार्यालय के पास ही कचरा डंप कर रहा था। कचरे की असहनीय दुर्गंध से छात्र-छात्राएं परेशान थे। छात्रों की समस्या को देखते हुए एबीवीपी एक महीने से कूड़ा हटाने के लिए प्रदर्शन कर रही थी, लेकिन एबीवीपी की मांग को हल्के में लेते हुए कूड़ा नहीं हटाया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने आचार्य के कार्यालय में कुडा कचरा डालकर आश्चर्यजनक विरोध व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने पेपर लीक घोटाले में दो ?षित आचार्य को हटाने का आदेश भले ही दे दिया हो, लेकिन सार्वजनिक संस्था ने अभी तक प्राचार्य को नहीं हटाया है। पेपर लीक घोटाले के दोषी प्रधानाध्यापक को न हटाना सार्वजनिक संस्थान की क्या मजबूरी है। हम यह नहीं समझते। एबीवीपी ने यह अल्टीमेटम दिया की कोभांड के दोषी प्रधानाध्यापक को यदि सार्वजनिक निकाय ने पद से नहीं हटाया तो प्रशासन के अधिकारी एबीवीपी का उग्र रूप देखने को तैयार हैं।

अत्याधिक ब्याज वसूलने वाले फाइनेंसर के विरुद्ध कार्यवाही

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने एक ऐसे जरूरतमंद व्यक्ति की मजबूरी का फायदा उठाने वाले फाइनेंसर के खिलाफ कार्रवाई की है, जिसके पास पैसा उधार देने का लाइसेंस है और जिसने दोगुनी राशि के चेक और खाली वचन पत्र लिखकर नियम से अधिक ब्याज वसूला। पुलिस ने उसके कार्यालय से गलत तरीके से वसूला गया ब्याज के 2.33 लाख रुपये , 24 चेक और 36 कोरे वचन पत्र भी जब्त किए।

शहर में बढ़ता सूदखोरों का कारोबार
सूरत पुलिस कमिश्नर ने सूरत शहर में सफेदपोश कारोबार करने वाले फाइनेंसरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जो साहूकार के लाइसेंस से जरूरतमंद लोगों से गलत तरीके से ब्याज वसूल कर जरूरतमंदों की जबरदस्ती का फायदा उठा रहे हैं। इसी बीच सूरत क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि दिलीप बोदरा, जिसका कतारगाम दरवाजा महावीर कॉम्प्लेक्स, शॉप नंबर-10 में फाइनेंस ऑफिस है, मनी लॉन्ड्रिंग का लाइसेंस चला रहा है। क्रेडिट लाइसेंस की आड़ में, वह

उपकृत से बहुत अधिक ब्याज वसूलता है। जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे देने से पहले उसने दोगुना चेक के साथ ब्लैंक चेक प्राप्त किया और खाली प्रॉमिसरी नोट पर जरूरतमंद व्यक्ति के हस्ताक्षर और अंगूठे का निशान लगवा लिया। इस सूचना के आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने उसके कार्यालय में छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी दिलीपभाई बाबूभाई बोधरा के खिलाफ गुजरात मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करते हुए गहन प्रारंभिक जांच की है।

ब्याज वसूली की सूची ही पुलिस के हाथ लग गई
पुलिस ने उनके कार्यालय से जरूरतमंदों के पास से ब्याज पर लीए गए रकम से दोगुने रकम का लिखा हुआ कुल 4,80,000 रुपये मूल्य के चेक बरामद किए। जिसमें कुल 4,80,000 रुपये का चेक कर्जदार से दोगुने ब्याज के साथ लिखा गया था, साथ ही ब्लैंक चेक नंग 24 और कोरे प्रॉमिसरी नोट कुल-36 के साथ-साथ तीन डायरियां भी बरामद की गईं और एक अवैध रूप से बनाए रखा और गलत तरीके से तैयार किया गया रजिस्टर भी जब्त किया। अपराध शाखा की टीम द्वारा 2,33,140 रुपये की ब्याज राशि जब्त की गई।

सूदखोरों के उत्पीड़न से बचने के लिए अपराध शाखा से संपर्क करने की सलाह दी
आरोपी से जिरह करने में उसके पास खुद साहूकारी का लाइसेंस है। लोगों को ब्याज पर पैसा देने का व्यवसाय और ब्याज पर पैसे लेने वालों को उनसे सुरक्षा के रूप में खाली वचन पत्र और चेक मिलते हैं । यदि उधारकर्ता आवश्यक राशि का भुगतान करने में विफल रहता है या समय पर व्याज का राशि नही दे पाताा है तो यह कोरा वचन पत्र पर जरूरतमंद व्यक्ति द्वारा ली गई राशि से अधिक राशि का चेक लिखकर जरूरतमंद व्यक्ति के खिलाफ कानुनी कार्यवाही का डर दिखाकर डबल राशी वसूलते थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने पूरे मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सूरत क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के शिकार हुए जरूरतमंद लोगों से क्राइम ब्रांच से संपर्क करने की अपील की है।